www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
7 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 45 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

वैष्णो देवी जा रही ट्रेन में हादसा

लुधियाना में 2 हिस्सों में बंटी, 1200 यात्री बाल-बाल बचे

लुधियाना(एजेंसी)। रेलवे स्टेशन पर वैष्णो देवी जा रही 1200 यात्रियों से भरी ट्रेन में हादसा हो गया। यहां ट्रेन के स्लीपर कोच का कपलिंग अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ टूट गया। जिसके बाद वह कोच अपने साथ वाले डिब्बे से अलग हो गया। धमाके जैसी आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। वह डिब्बे से बाहर आ गए। गनीमत रही की बात ये रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, ट्रेन लुधियाना से चली ही थी। अगर हाईस्पीड के दौरान यह हादसा होता तो यात्रियों की जान को खतरा हो सकता था। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन आज (शनिवार) सुबह ढाई बजे के बाद नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई। सुबह 8.40 बजे यह लुधियाना स्टेशन पर पहुंची। पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के चलते पैसे ही यही सुरक्षा है। इसके बीच ट्रेन के साथ हुए हादसे का पता चलते ही पुलिस तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई। रेलवे के अफसर भी मौके पर पहुंच गए। जांच के बाद लुधियाना के ADCP समीर वर्मा ने कहा कि ट्रेन जब चलने लगी तो 2 कोच को जोड़ने वाला कपलर टूट गया।

गुरुग्राम में भीषण हादसा: कैंटर से टकराया कंटेनर, केबिन में फंसा ड्राइवर जिंदा जला

गुरुग्राम (एजेंसी)। कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर शनिवार की देर रात करीब 1.30 बजे सड़क हादसे के बाद कंटेनर में आग लगने से चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह हादसा पचौंदी टोल से फर्रुखनगर टोल की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। जहां सड़क पर आगे चल रहे कैंटर में पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक कैंटर केएमपी एक्सप्रेसवे पर पचौंदी टोल से फर्रुखनगर टोल की ओर जाने वाली सड़क पर चल रहा था। इसी दौरान सिधरावली की ओर से आ रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर कैंटर से पीछे जा टकराया। पुलिस के अनुसार कैंटर में प्लास्टिक या कपड़े का कबाड़ भरा हुआ था। कैंटर से टकराने के बाद कंटेनर का चालक केबिन में फंस गया। कैंटर के पीछे टकराने के बाद कंटेनर में आग लगने के कारण चालक को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उसकी केबिन में ही जलकर मौत हो गई।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

अभिजीत ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा, अगले शनिवार को फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। CJP को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन करीब 3 बजे ही अभिजीत और सोनम वांगचुक घटनास्थल से रवाना हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की फोटो, आयोजकों और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ उनके भांजा आशुतोष रावत भी मौजूद थे। आशुतोष गायक गायकु से बात करते हैं। वे पिछले साल लंका से भारत लौटे हैं। CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा कड़ी की गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में मजबूत व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी। अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा। शिवसेना (उद्धव) के नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे युवाओं के आंदोलन को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। आज यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी। उन्होंने आंदोलन को सरकार के लिए चेतावनी बताया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी ने सुबह 10 बजे प्रदर्शन शुरू किया था। यह प्रदर्शन करीब 5 घंटे चला। दोपहर 3 बजे अभिजीत और सोनम वांगचुक रवाना हो गए। इसी के साथ भीड़-भाड़ प्रदर्शन वाली जगह भी खाली होने लगी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रदर्शन के समर्थकों और विरोधियों के बीच तनाव हो सकता है। इसी के चलते कुछ लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया।

पूर्व आर्मी चीफ की दो टूक

कहा-मध्यस्थ नहीं, कूरियर सर्विस है पाकिस्तान

यूएस-ईरान जंग के बीच दिखाया आईना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल सेवानिवृत्त एमएम नरवणे ने पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान कोई मध्यस्थ नहीं, बल्कि सिर्फ एक कूरियर सेवा बनकर रह गया है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से खुद को इस संघर्ष में एक शांतिदूत के रूप में पेश करने की नाकाम कोशिश कर रहा है। कुछ महीने पहले उसने दोनों देशों के बीच बातचीत कराने का दावा भी किया था, जिस पर पूर्व भारतीय सेना प्रमुख ने यानी रिटायर्ड जनरल नरवणे ने वैश्विक संघर्षों का विश्लेषण करते हुए अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के अंतर्संबंधों को समझाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सीधे तौर पर आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी होती है। आज के दौर में, अर्थव्यवस्था ही दुनिया की हर चीज को चलाती है। पूर्व

सैन्य प्रमुख के मुताबिक, भारत का प्रयास हमेशा वैश्विक व्यापार के दायरे में रहते हुए आत्मनिर्भर बनने का रहा है। दुनिया में होने वाले किसी भी बड़े संकट के झटकों से हम खुद को पूरी तरह अलग नहीं रख सकते। यही कारण है कि भारत अब अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता ला रहा है। घरेलू उत्पादन को लगातार मजबूत किया जा रहा है जिससे भविष्य के किसी भी वैश्विक झटके से देश को सुरक्षित रखा जा सके। दुनिया हमेशा से परिवर्तनशील रही है और भारत अपनी प्राथमिकताओं को अच्छी तरह समझता है। भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना को आधुनिक बनाना कभी न खत्म होने वाला काम है। अब भारत का पूरा ध्यान स्वदेशी उपकरणों की खरीद पर है। यूक्रेन से लेकर अमेरिका-ईरान के मौजूदा संघर्ष तक, हाल के युद्धों ने ड्रोन और मानव रहित विमानों की रणनीतिक ताकत को साबित किया है। इसी अनुभव से सीखते हुए भारतीय सेना ने ड्रोन की खरीद बढ़ा दी है। इस क्षेत्र में भारत की घरेलू कंपनियों और एमएसएमई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है, जो बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन का निर्माण कर रही हैं। पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ संबंधों पर पूर्व सेना प्रमुख ने पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना बेहद स्वाभाविक है। किसी रिश्ते को हमेशा नकारात्मक रूप से नहीं देखना चाहिए। समय के साथ अक्सर रिश्तों में सुधार आता है और भारत-बांग्लादेश के संबंध फिर से मजबूती की राह पकड़ रहे हैं। वहीं, भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के काम पर उन्होंने कहा कि यह परियोजना पिछले एक दशक से अधिक समय से चल रही है। नदी तटीय इलाका होने के कारण इस सीमा पर बाड़ लगाना हमेशा से एक बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण काम रहा है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच बचे हुए हिस्सों पर अब तेजी से काम किया जा रहा है ताकि पूरी सीमा को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सके।

अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

● लॉन्चिंग के 10 घंटे के अंदर रजिस्ट्रेशन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन हाउस नम्मा इयक्कम को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। उनका कहना है कि पहले इस आंदोलन को खड़ा किया जाएगा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और बाद में इसे राजनीतिक पार्टी में बदला जाएगा। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई भाजपा नेताओं ने अन्नामलाई का

समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, हम आज एक अलग आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथिक्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। वे लगातार तमिलनाडु में बदलाव लाना और राजनीति के तौर-तरीकों को बदलना चाहते थे। जनता दशकों से चली आ रही आम राजनीति से ऊब गई है। बदलाव चाहती है।

दिल्ली होटल आग हादसा: रसोइया गिरफ्तार, यही सबसे पहले भागा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लोरिश इन होटल में आग लगी थी। पुलिस ने हादसे की जांच के लिए होटल के रसोइए केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोइए की लापरवाही से लगी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रसोइए केशव ने ही बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टोरेंट के किचन में बिजली से चलने वाला चूल्हा था। इसमें विस्फोट के बाद ही आग लगी, जो पूरे होटल में फैल गई थी। पुलिस जांच में ही यह बात सामने आई है कि जब नेगी ने बिजली बंद की तो

उसके होटल स्टोर्स-पीकर दरवाजे लॉक हो गए। नेगी की लापरवाही के कारण ही कई लोग होटल से बाहर नहीं निकल पाए। मालवीय नगर के होटल में फ्लोरिश इन HAIT में आग 3 जून को सुबह करीब 8.30 बजे लगी और तेजी से पांच मंजिला कंक्रीट इमारत में फैल गई थी। मरने वालों में 21 लोग शामिल थे। इनमें 13 विदेशी भी थे। पुलिस का कहना है कि होटल के पास दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' पॉलिसी के तहत सिर्फ 6 कमरों की इजाजत थी, लेकिन वहां 25 कमरे चल रहे थे, जिनमें से कुछ बेसमेंट में भी बने थे। इससे पहले पुलिस ने होटल के मालिक जगदीश बजाज को भी अरेस्ट कर चुकी है। उस पर गैर-इरादतन हत्या समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आग लगने के बाद होटल का स्टाफ ही सबसे पहले भाग निकला था। जबकि वहां रुके हुए लोग फंसे और आग की लपटों में घिर गए थे। रसोई में बिजली का चूल्हा चलाते ही उसमें विस्फोट हो गया और आग लग गई।

मां के बॉयफ्रेंड ने की बेटी की हत्या कर सूटकेस में पैक किया

जालंधर(एजेंसी)। होशियारपुर के जंगल में सूटकेस से 14 वर्षीय लड़की का जला हुआ शव मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि लड़की की हत्या उसकी मां के लिव-इन पार्टनर ने की थी। आरोपी का कहना है कि उसे लड़की का लड़कों से मिलना-जुलना पसंद नहीं था। वह

जब उसे इस बात को लेकर डांटता-टोकता था तो लड़की उसकी मां के साथ उसके रिश्ते की बात सबको बताने की धमकी देती थी। इसी से नाराज होकर आरोपी ने पहले गला घोंटकर हत्या की, फिर शव को सूटकेस में पैक कर मुकेरियां के जंगल में ले जाकर जला दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी और मृतका की मां पिछले कुछ समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है। शुक्रवार (5 जून) को होशियारपुर के मुकेरियां क्षेत्र के जंगल में एक सूटकेस से लड़की का जला हुआ शव बरामद हुआ।

अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया

ईरान ने कुवैत-बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, CENTCOM के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि बाकी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की मिसाइल क्षमता काफी कमजोर हो गई है और उसके पास सिर्फ 21-22% मिसाइलें बची हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान ने अपनी 33 में से 30 मिसाइल साइट्स फिर से चालू कर ली हैं और उसके पास अब भी करीब 70% मिसाइल भंडार मौजूद है। कतर ने कुवैत और बहरीन पर हुए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है।

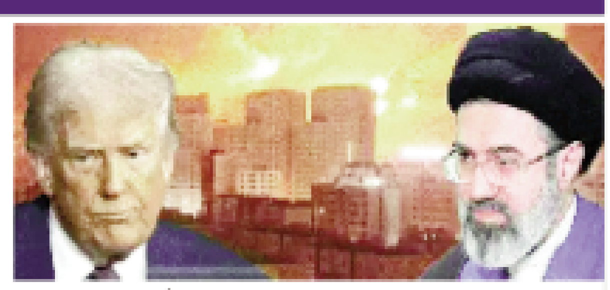

कतर का कहना है कि ये हमले दोनों देशों की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाली ऐसी घटनाओं को तुरंत रोकना जरूरी है। मंत्रालय ने सभी पक्षों से हालात को शांत करने और हमलों को बढ़ने से रोकने की अपील की। कतर ने कहा कि वह कुवैत और बहरीन के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। साथ ही दोनों देशों की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करने की बात भी कही। कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शनिवार सुबह देश की सेना ने कुवैत के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुई ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का इंटरसेप्ट कर लिया। मंत्रालय के अनुसार, इन मिसाइलों को रिहायशी इलाकों के ऊपर ही रोक दिया गया। हालांकि, उन्हें नष्ट करने के बाद उनका कुछ मलबा जमीन पर गिरा, जिससे कुछ जगहों पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एजेंसी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रही है। काजेम गरीबाबादी ने कहा कि IAEA प्रमुख राफेल ग्रोसी ईरान के परमाणु कार्यक्रम में कमी और अस्पष्टता की बात करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि इसकी वजह अमेरिका और इजराइल के हमले हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने IAEA की निगरानी वाले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया, लेकिन राफेल ग्रोसी ने इन हमलों की कभी आलोचना नहीं की। ईरानी उप विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि IAEA प्रमुख अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में एजेंसी निष्पक्ष कैसे रह सकती है।

राबड़ी देवी और तेजस्वी ने अपनी सुरक्षा लौटाई

सरकार के सिक्योरिटी घटाने पर नाराजगी; बंगले के बाहर डंडे लेकर खड़े हुए कार्यकर्ता

पटना(एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार सुबह अपने आवास से सारी सुरक्षा हटा दी। यहां तक की बंगले के बाहर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को भी लौटा दिया है। इसके बाद रोहिणी ने पार्टी नेताओं से राबड़ी आवास पहुंचने की अपील की। कार्यकर्ताओं का राबड़ी आवास पर जुटना शुरू हो गया है। गेट पर एक कार्यकर्ता हाथ में डंडा लिए खड़ा है। जहां पहले पुलिसकर्मी बैठते थे वहां पार्टी के नेता बैठे हैं। राबड़ी के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी अपनी लोगों

की सुरक्षा को वापस कर दिया है। दरअसल, 2 दिन पहले बिहार सरकार ने लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली थी। सरकार के इस फैसले से राबड़ी देवी नाराज थीं। राबड़ी देवी जी और उनके परिवार को नुकसान, शारीरिक क्षति पहुंचाने की नीयत से ही ये फैसला लिया गया है। सुरक्षा में कटौती के बाद दिखाने की सुरक्षा रखने का कोई औचित्य ही नहीं है, इसके मद्देनजर ही राबड़ी देवी जी ने अपने आधिकारिक आवास से सुरक्षाकर्मियों को वापस किए जाने का निर्णय लिया है। सम्राट सरकार को ये जान लेना चाहिए कि बिहार की करोड़ों जनता ही लालू, राबड़ी देवी जी और उनके परिवार का सुरक्षा कवच है। परिवार के किसी भी सदस्य को एक खरोंच भी आई तो वो अंजाम सब होगा, उसका अंदाजा सम्राट विजयसिन्हा सम्राट चौधरी और उनकी सरकार को नहीं है। RJD नेता शक्ति सिंह यादव ने कहा, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं। पहले उन्हें घर को लेकर नोटिस दिया गया, फिर घर खाली करने की धमकी दी गई। पूरे परिवार की सुरक्षा में कटौती कर दी गई। यह एक साजिश है। वे सिर्फ कुर्सी चाहते हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। यह बिहार के लोगों को मंजूर नहीं है। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, राज्य सरकार समय-समय पर सुरक्षा की समीक्षा करती है। इसके बाद फैसला लिया जाता है कि किसे कितनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। सुरक्षा उस तरह से लौटाना ये उनकी मर्जी है।

6 करोड़ से अल्मोड़ा जिले में कराई जाएगी तारबाड़ : धामी

किसानों के हित में हो रहा कार्य, बढ़ रही है आय

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कृषि और किसानों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से हवालबाग में राज्य स्तरीय 'खेत बचाओ अभियान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए कृषि संरक्षण, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने तथा किसानों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। मोटे अनाजों विशेषकर मांडुआ, झंगोरा, चौलाई एवं अन्य पारंपरिक फसलों के संरक्षण और उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा जनपद में तारबाड़ योजना के अंतर्गत लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराए जाने घोषणा भी की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि अल्मोड़ा की धरती पर किसानों के बीच आकर उन्हें नई ऊर्जा प्राप्त होती है। कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा जनांदोलन बन चुका है। उन्होंने

किसानों से अपनी कृषि भूमि, मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं बल्कि देश की शक्ति और हिम्मत हैं। हमारी संस्कृति में मिट्टी केवल भूमि का टुकड़ा नहीं बल्कि मां के समान पूजनीय है। इसलिए मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखना और खेतों को रासायनिक पदार्थों से यथासंभव मुक्त रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कृषि व्यवस्था छोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। कहा कि किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए बजट में 200 करोड़ रुपये का प्राविधान भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के मामले में देश में उत्तराखंड का नाम प्रथम श्रेणी में आना सरकार की नीतियों की सफलता का जीता जागता उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों से केवल वादे नहीं करती, बल्कि धरातल पर कार्य करने में विश्वास रखती है। उन्होंने किसानों से अपनी खेती और मिट्टी का परीक्षण कराने तथा टिकाऊकृषि पद्धतियों को अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस मौके पर कृषि मंत्री गणेश जोशी, विधायक रानीखेत डॉ .प्रमोद नैनवाल, विधायक जागेश्वर मोहन सिंह मेहरा, विधायक सल्ट महेश जीना, जिला पंचायत अध्यक्षा हेमा गैडा, दायित्वधारी गंगा बिष्ट, गोविंद पिलख्वाल, मेयर अल्मोड़ा अजय वर्मा, कृषि सचिव सुरेंद्र नारायण पांडे, निदेशक कृषि, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को किया सम्मानित

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन सरकार की नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनपदवासियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए कृषि संरक्षण, मिट्टी संवर्धन और जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

स्यालसौड़—चंद्रापुरी क्षेत्र में नहीं खुलेगी शराब की उपदुकान : आशा नौटियाल

रुद्रप्रयाग। मंदाकिनी सभागार में आयोजित बीडीसी बैठक में शराब की उपदुकान, हाईवे व कूड़ा निस्तारण और ईडब्ल्यूएस का मुद्दा छाया रहा। प्रधान संगठन अध्यक्ष मनोज वैष्णव ने स्यालसौड़—चंद्रापुरी क्षेत्र में प्रस्तावित शराब की उपदुकान का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि राजस्व क्षेत्र होने के बावजूद आठ ग्रामीण जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं उन्हें समन भेजा गया है। इस पर विधायक ने निर्माणाधीन केंद्रीय विद्यालय के समीप शराब की दुकान नहीं खोले जाने का आश्वासन दिया। बैठक में 32 क्षेत्र पंचायत सदस्यों और 110 ग्राम प्रधानों ने समस्याएं उठाईं।शनिवार को हुई बैठक का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी ने किया। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि विकास कार्यों में विभागों के बीच बेहतर समन्वय होना जरूरी है। उन्होंने अगस्त्यमुनि पेट्रोल पंप के समीप हाईवे के धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्यों पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को काम में तेजी लाने को भी कहा। वहीं क्षेत्र पंचायत सदस्य सम्राट सिंह राणा ने ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र में आ रही विसंगतियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आय प्रमाण पत्र और ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र में नामों के अंतर के कारण पात्र लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला प्रधान संगठन अध्यक्ष विजयपाल जगवाण ने राष्ट्रीय राजमार्ग की समस्याओं के साथ गांवों में कूड़ा वाहन और पर्यावरण मित्रों की तैनाती की मांग रखी। वहीं क्षेत्र पंचायत सदस्य क्यार्क बरसूड़ी ने जूनियर हाईस्कूल भवन निर्माण का मुद्दा उठाया।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिरी

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित सनबैंड के समीप शनिवार सुबह एक स्कूटी अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में एक युवक घायल हो गया जबकि महिला सुरक्षित है।जानकारी के अनुसार शनिवार को दो लोग स्कूटी से सनबैंड से रुद्रप्रयाग की ओर आ रहे थे तभी स्कूटी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन रजवार ने बताया कि जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सुबह 6:55 बजे हादसे की सूचना मिली। डीडीआरएफ, पुलिस और 108 एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया। राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर दोनों लोगों को खाई से बाहर निकाला। दुर्घटना में घायल सचिन कुमार (19) को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया। वहीं स्कूटी सवार सुलेखा (26) पत्नी राजू कुमार सुरक्षित हैं। घायल का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों मूल रूप से बिहार से हैं और डांगसेरा में रहते हैं।

रामपुर में धंसी पार्किंग, फंसे वाहन

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग—सोनप्रयाग हाईवे पर रामपुर में बनी पार्किंग धंस गई। ऐसे में यहां खड़े वाहन धंस गए और उन्हें मशीनों की मदद से निकाला गया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश सिंह रावत ने बताया कि रामपुर क्षेत्र में लंबे समय से भू—धंसाव हो रहा है। इस बार स्थायी समाधान करते हुए एनएच विभाग ने सुरक्षा दीवारों का निर्माण किया था लेकिन जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश और नालियों का पानी सड़क तथा पार्किंग क्षेत्र में जमा हो रहा है। वहीं मंदाकिनी नदी से भी कटाव हो रहा है।

ऐसे में भूधंसाव के कारण यहां बनी पार्किंग धंस गई। यहां करीब 5—6 वाहन खड़े थे। उन्होंने बताया कि कहा कि यदि निर्माण के साथ उचित ड्रेनेज व्यवस्था बनाई जाती तो यह स्थिति नहीं बनती। उन्होंने यहां के स्थायी समाधान की मांग की। उधर राष्ट्रीय राजमार्ग के सहायक अभियंता ओंकार पांडे ने बताया कि मामला विभाग के संज्ञान में है। निरीक्षण के लिए टीम मौके पर भेजी गई है और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है।

तुंगनाथ में यात्री और खच्चर संचालक में मारपीट

रुद्रप्रयाग। तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर मार्ग पर एक यात्री और घोड़ा—खच्चर संचालक के बीच हुए मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में खच्चर संचालक के सिर पर चोट आई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार हरियाणा के यमुनानगर निवासी एक यात्री और घोड़ा—खच्चर संचालक के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया जिसमें संचालक घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने बीच—बचाव कर मामले को शांत कराया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची ऊखीमठ पुलिस दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए थाने ले आई। कोतवाली प्रभारी मनोज नेगी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट हुई है जिसमें खच्चर संचालक को चोट आई है। मामले की जांच की जा रही है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आपदा को देखते हुए कई हेलिपैड से हटाया अतिक्रमण

रुद्रप्रयाग। आगामी मानसून सीजन को देखते हुए और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को सुचारु बनाए रखने के लिए जिले के महत्वपूर्ण कई हेलिपैड से अतिक्रमण हटाया गया है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि कहा कि आपदा के समय हेलिकॉप्टर संचालन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में हेलिपैड को हर समय उपयोग योग्य बनाए रखने के लिए उपजिलाधिकारियों, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग को नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मद्महेश्वर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिहाज से आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। आपदाओं से निपटने के लिए सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहीं विभागों को तैयारियां पूरी करने, आपसी समन्वय बनाने तथा आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

रुद्रप्रयाग में मकानों की सूची का काम पूरा

रुद्रप्रयाग। जनगणना के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण के तहत 25 अप्रैल से 24 मई तक मकानों की सूची (हाउस लिस्टिंग) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके अंतर्गत जिले में हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों का गठन भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य के लिए जनपद में 599 प्रगणक और पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। दूसरे चरण का कार्य दो भागों में संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि आठ जून से सात जुलाई तक 362 बीएलओ घर—घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन एंव गणना प्रपत्र भरने का कार्य करेंगे। इसके बाद 13 सितंबर तक दावे व आपत्तियों का निस्तारण का कार्य किया जाएगा। वहीं दुर्गम और हिमपात प्रभावित क्षेत्रों में सितंबर में जनगणना कराई जाएगी जबकि अन्य क्षेत्रों में फरवरी 2027 में यह प्रक्रिया शुरू होगी। जिलाधिकारी ने लोगों से सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराकर जनगणना अभियान में सहयोग करने की अपील की।

आठ महीने से लंबित पड़े मानदेय वृद्धि प्रस्ताव

बागेश्वर। जिले की 18 साधन सहकारी समितियों में कार्यरत कर्मचारियों ने मानदेय वृद्धि संबंधी प्रस्ताव पिछले लगभग आठ माह से लंबित होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावों को अनुमोदन के लिए एआरसीएस कार्यालय को भेजा गया था, लेकिन अब तक उन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

इससे उनकी आर्थिक स्थिति बद से बदत्त होती जा रही है। कर्मचारियों के अनुसार समितियों में कार्यरत आंकिक, मिनी बैंक प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा वसूली सहायक जैसे पदों पर कार्य करने वाले कर्मचारी मात्र 5,000 से 10,000 रुपये मासिक मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह राशि न्यूनतम मानदेय की निर्धारित श्रेणी से भी काफी कम है, जबकि वे कुशल एवं अर्धकुशल श्रेणी के कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। एआरसीएस कार्यालय द्वारा शीघ्र अनुमोदित कर दिया जाता था, लेकिन इसबार प्रस्तावों को आठ माह से लंबित रखा गया है। सामान्यतः ऐसे प्रस्तावों की स्वीकृति में एक दिन का समय लगता था, लेकिन इस बार अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि प्रस्तावों को अनावश्यक रूप से रोकने के कारण उनका आर्थिक और मानसिक शोषण हो रहा है। उनका कहना है कि अत्यंत कम मानदेय पर कार्य कराना कर्मचारियों के अधिकारों का उल्लंघन है। समिति कर्मचारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सभी कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय नियमों के अनुरूप भुगतान सुनिश्चित की मांग की है। साथ ही उन्होंने लंबित मानदेय वृद्धि प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय लेने की भी अपील की है।

साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे थे तीन बैंक खाते

रुद्रपुर। नानकमत्ता क्षेत्र के तीन बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी और धोखाधड़ी में किए जाने का मामला सामने आया है। एएसआई की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद खाताधारकों समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एएसआई चंचल सिंह के अनुसार, तीन बैंक खातों की जांच में पता चला कि इन खातों का उपयोग विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों से ठगी गई धनराशि प्राप्त करने के लिए किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि इन खातों का बार—बार साइबर ठगी में इस्तेमाल किया गया। आरोपियों ने मोबाइल कॉल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन एप्लिकेशन के माध्यम से लोगों को अधिक निवेश रिटर्न, नौकरी के अवसर, ऑनलाइन ट्रेडिंग में लाभ आदि के झूठे प्रलोभन देकर धनराशि संबंधित बैंक खातों में ट्रांसफर कराई। जांच में तीनों खातों के 'म्यूल अकाउंट' के रूप में इस्तेमाल होने की पुष्टि हुई है। पुलिस के मुताबिक, सोनू सिंह पुत्र फुम्मन सिंह निवासी ज्ञानपुर गौड़ी ने अपने बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम मंगाई।

जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें अफसर

रुद्रपुर। 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति (राज्य स्तरीय) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष रामपाल सिंह ने देहरादून में पदभार ग्रहण करते ही अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट तलब करते हुए नियमित समीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। रामपाल सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसे धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही प्रदेश के विकास, गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रमों की नियमित निगरानी कर सरकार की मंशा के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश नेतृत्व एवं पार्टी संगठन का आभार व्यक्त करते हुए उनके विश्वास पर खरा उतरने का संकल्प दोहराया।

बागेश्वर में जल्द शुरूहोगी मिनी बस सेवा

बागेश्वर। नगर क्षेत्र में यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के लिए जल्द ही मिनी बस सेवा शुरू की जाएगी। रूट निर्धारण के बाद सर्वे होगा। इसको लेकर एआरटीओ, नगर पालिका और पुलिस विभाग की बैठक आयोजित की गई। इसमें सभी विभागों की राय ली जाएगी। एआरटीओ के अनुमति मिलने के बाद मिनी बसों का संचालन होगा। मालूम हो कि नगर पालिका ने लोगों को सुविध देने के लिए ई—रिक्शे शुरू किए हैं। इससे लोगों को काफी राहत मिल रही है। अब पालिका शहर में मिनी बस चलाने के लिए तैयारी कर रही है। इस संबंध में नगर पालिका सभागार में शनिवार को पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, ईओ विनोद सिंह जीना, आरटीओ अमित कुमार, सभासद, टीएसआई चंदन भंडारी, एसआई निर्मला पटवाल तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक की गई। इसमें मिनी बस संचालन के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया गया और प्रस्तावित रूट का सर्वे भी किया गया।मिनी बस जजी, डीएम कार्यालय लाइन, बिलोना, ब्लॉक और मंडलसेरा क्षेत्र में जाएगी। पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल ने बताया कि नगर में मिनी बस सेवा शुरू करना उनके चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा था, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरटीओ से अनुमति मिलते ही नगरवासियों को इस सुविधा का लाभ मिलने लगेगा, जिससे आवागमन आसान और सुगम होगा।

भूमि सौदे के नाम पर 30 लाख की ठगी का आरोप, मुकदमा

रुद्रपुर। भूमि सौदे के नाम पर 30 लाख की धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाते हुए बाजपुर निवासी एक युवक ने एसएसपी से शिकायत की है। शिकायत में भूमि स्वामियों के साथ ही राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों पर मिलीभगत कर सुनियोजित तरीके से रकम हड़पने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। केश—ावनगर रेलवे कॉलोनी, बाजपुर निवासी अनुज सैनी ने एसएसपी को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने बिन्दुखेड़ा निवासी गुरदेव सिंह और कुलविंदर सिंह से लगभग 25 .24 लाख रुपये में भूमि खरीदने का सौदा किया था। दोनों पक्षों के बीच रजिस्टर्ड एग्रीमेंट टू सेल भी हुआ था। आरोप है कि उन्होंने बैंक ट्रांसफर के माध्यम से 20 लाख रुपये विक्रेताओं को दे दिए। जब उन्होंने भूमि की रजिस्ट्री कराने की बात कही तो विक्रेताओं ने बताया कि भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के लिए अधिग्रहित हो चुकी है,

खेल महाकुंभ की पुरस्कार राशि नहीं मिलने पर फूटा युवाओं का गुस्सा

नई टिहरी। खेल महाकुंभ पुरस्कार की राशि न मिलने से आक्रोशित युवाओं ने युवा कल्याण विभाग कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर शीघ्र खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि दिए जाने की मांग उठाई है। शीघ्र धनराशि न मिलने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी है। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल कार्यालय में खेल महाकुंभ वर्ष 2025—26 के विजेता पुरस्कार राशि की मांग को लेकर युवाओं ने युवा कल्याण विभाग और खेल मंत्री रेखा आर्य के खिलाफ नारेबाजी की। युवा दिव्यांशु रावत, देवांश उनियाल, नैतिक कुमार ने कहा कि छह माह बीत जाने के बाद भी महाकुंभ में प्रतिभाग करने वाले कई खिलाड़ियों को अभी तक पुरस्कार की धनराशि नहीं दी गई है। खेल महाकुंभ में विभाग की ओर से कबड्डी, दौड़, खो—खो,वॉलीबाल, रस्सीकूद सहित कई अन्य प्रतियोगिताएं संपन्न करवाई गई। पुरस्कार राशि न दिए जाने से युवाओं में आक्रोश बना है। गत 17 जनवरी, 13 मार्च और मई माह में युवा कल्याण अधिकारी को पत्र देकर पुरस्कार धनराशि देने की मांग की गई थी लेकिन विभागीय अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। कहा कि विभाग ने टिहरी विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता को जाखणीधार के लामरीधार मैदान में संपन्न करवाई गई थी खिलाड़ियों को आने—जाने का तक किराया नहीं दिया गया ।

अल्मोड़ा की भावनाओं को गांव—गांव पहुंचाएं कार्यकर्ता : रावत

रुद्रपुर। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि 4 जून को अल्मोड़ा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जनसभा को लेकर कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें जबरदस्त उत्साह था। कहा कि अल्मोड़ा की भावनाओं को गांव—गांव तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरे समर्पण के साथ इस अभियान को जन—जन तक ले जाएं। पूर्व मुख्यमंत्री रावत शनिवार को रुद्रपुर सिटी क्लब में प्रेसवार्ता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अल्मोड़ा की जनसभा को लेकर जनता में उत्साह और कांग्रेस के प्रति समर्थन देखने को मिला, उसको देखकर लगता है कि आने वाला समय कांग्रेस का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व सैनिकों के लिए कई योजनाएं चलाई थीं। अग्निवीर योजना से पूर्व और वर्तमान सैनिक संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस की सरकार आती है तो अग्निवीर योजना को समाप्त कर दिया जाएगा। कहा कि वर्तमान समय में

पैरामिलिट्री फोर्स का दायित्व बढ़ गया है, लेकिन उनकी सुविधाएं कम कर दी गई हैं। इसके लिए कल्याण कोष बनाया जाना चाहिए। कहा कि कांग्रेस सरकार में नजूल नीति लागू की थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद अपने वादे भूल गई। कांग्रेस ने तराई और भाबर क्षेत्र के लोगों को जमीनों पर मालिकाना हक देने का निर्णय लिया था। कहा कि गांधीग्राम और नेहरू गांव जैसे क्षेत्रों के मुद्दों को कांग्रेस प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर 2027 विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस लें।

किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान हरीश रावत ने नजूल भूमि को लेकर फ्री होल्ड की नीति लागू की थी, जिसमें अलग—अलग वर्गीकरण किया गया था। भाजपा सरकार ने इस नीति को पलट दिया। नाममात्र के पट्टे बांटकर भाजपा सरकार झूठी वाहवाही लूट रही है। अतिक्रमण के नाम पर जनता को उजाड़ा जा रहा है, जिसे अब जनता भली—भांति समझ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनगणना में भी गड़बड़ी की जा रही है और वास्तविक स्थिति छिपाई जा रही है। कच्चे मकानों को पक्का और शौचालयों की स्थिति को गलत तरीके से दर्शाया जा रहा है।

शहरी जनसंवाद में विधायक बेहड़ ने सुनी जन समस्याएं

रुद्रपुर। विधायक तिलकराज बेहड़ ने शहरी जनसंवाद कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड 1 बनखंडी देवरिया, वार्ड 9 धर्म कांटे के निकट, वार्ड 14 बालाजी मंदिर के निकट व सिरौली में वीर शिवा कॉलोनी में जनसंवाद कर लोगों की समस्याओं एवं सुझावों को सुना।शनिवार को आयोजित शहरी जनसंवाद कार्यक्रम में वार्ड 16 में वार्डवासियों ने 100 मी. व मॉडल कालोनी के लोगों ने 200 मी. सड़क निर्माण की मांग रखी। वीर शिवा कालोनी में लोगों ने विद्युत पोल व वार्ड 9 में क्षतिग्रस्त पुलिया के पुनर्निर्माण का अनुरोध किया। बेहड़ ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर निस्तारण के निर्देश दिए। बेहड़ ने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। क्षेत्र की समस्याओं को जानकर उनका समयबद्ध समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी ।

फिर धधकने लगे बागेश्वर के जंलग

बागेश्वर। गर्मी बढ़ते ही जिले के जंगल एक बार फिर धधकने लगे हैं। गुरुवार की रातभर गढ़सेर रेंज के जंगल जलते रहे। इसके अलावा धरमघर रेंज के जंगल भी सुलग रहे हैं। रवाईखाल के पास लगी आग सड़क तक पहुंच गई। इस कारण वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। रिहायशी इलाकों की तरफ आग बढ़ते ही लोगों की चिंता भी बढ़ गई। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना के बाद विभाग अलर्ट मोड में आया। पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा और पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण शुक्रवार की देर शाम जिला मुख्यालय से गरुड़ की ओर जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि गागरीगोल के पास का जंगल जल रहा था। जंगल की आग सड़क तक पहुंच गई। इससे चालकों को परेशानी होने लगी। इसके अलावा आग रिहायशी इलाके तक पहुंच गई। उन्होंने वन विभाग से जल्द आग पर काबू पाने की मांग की। उनकी सूचना के बाद गढ़खेत व बागेश्वर रेंज के वन कर्मी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद जंगल की आग पर काबू पाया गया।

निजी अस्पताल में भर्ती तीन बच्चों में हेपेटाइटिस—ए की पुष्टि

रुद्रपुर। सितारगंज के नयागांव में बुखार, पेट दर्द और डायरिया के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक निजी अस्पताल में भर्ती तीन बच्चों में हेपेटाइटिस—ए की पुष्टि हुई है। वहीं, रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) द्वारा लिए गए नमूनों में 20 से अधिक बच्चों के लिवर में सूजन और संक्रमण के लक्षण पाए गए हैं। इधर, जल संस्थान ने छह घरों से पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं। नयागांव और आसपास के क्षेत्रों में वायरल हेपेटाइटिस के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। पीलिया से पीड़ित एक किशोर की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत भी हो चुकी है। गांव में 55 से अधिक बच्चे बुखार, पेट दर्द, डायरिया और लिवर संक्रमण से प्रभावित बताए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का फूंका पुतला

श्रीनगर गढ़वाल : एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) को भंग करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए शनिवार को गोला मार्केट में संयुक्त प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी, विभिन्न युवा एवं छात्र संगठनों के आह्वान पर किया गय, जिसमें आइसा, जय हो, एनएसयूआई और एसएफआई छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की।प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा में अनियमितताओं, पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में सामने आ रही गड़बड़ियों पर चिंता जताई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। छात्र नेताओं ने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े विवादों ने युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने की मांग की। प्रदर्शन में गढ़वाल विश्वविद्यालय छात्र संघ के उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुधांशु थपलियाल, अंकित उछोली, छात्र नेता दिशांत धनाई, एनएसयूआई के अखिल राणा, एसएफआई के योगेश, प्रियंका आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

हर सोमवार होगा जनता मिलन कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपदवासियों की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार को जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम प्रत्येक सोमवार प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक जिला कार्यालय सभागार, गोपेश्वर में आयोजित होगा। जिलाधिकारी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी कार्यक्रम में जिला सभागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे, जबकि तहसील एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग करेंगे। जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी स्वयं आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनेंगे तथा उनके निस्तारण की समीक्षा करेंगे। साथ ही सीएम हेल्पलाइन-1905 में दर्ज शिकायतों एवं माननीय मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभागों से संबंधित अद्यतन जानकारी एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग करें तथा जनहित से जुड़े मामलों के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के प्रभावी और समयबद्ध निस्तारण के लिए सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहें, ताकि अधिकतम मामलों का समाधान मौके पर ही सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता मिलन कार्यक्रम प्रशासन और आमजन के बीच संवाद एवं समस्या समाधान का एक सशक्त मंच साबित होगा। इससे शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस पहल का लाभ उठा सकें।

चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर दूसरे दिन भी वायुसेना विमान की सफल लैंडिंग

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर दूसरे दिन भी वायुसेना के सी–295 परिवहन विमान ने सफलतापूर्वक लैंडिंग और टेकऑफ किया। इस दौरान विमान के संचालन एवं हवाई पट्टी की क्षमता का परीक्षण किया गया। सी–295 एयरबस एक आधुनिक और बहुउद्देशीय सैन्य परिवहन विमान है जिसका उपयोग सैन्य एवं सामरिक अभियानों में व्यापक रूप से किया जाता है। यह विमान सैनिकों और सैन्य सामग्री के परिवहन के अलावा टोही, सिग्नल इंटेलिजेंस, सशस्त्र सहायता, आपदा राहत एवं वीआईपी परिवहन जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सक्षम है। विशेषज्ञों के अनुसार, चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर सी–295 विमान का सफल संचालन क्षेत्र की सामरिक दृष्टि से बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। साथ ही यह भविष्य में आपदा प्रबंधन, रक्षा तैयारियों और हवाई संपर्क को सुदृढ़ बनाने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है। वायुसेना की ओर से लगातार दूसरे दिन किए गए सफल परीक्षण से स्थानीय प्रशासन और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। इससे पहले बीते शुक्रवार को वायुसेना के हरक्यूलिस (सी–130जे) परिवहन विमान ने भी चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर सफलतापूर्वक टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया था।

सीमांत क्षेत्रों में रक्षा परियोजनाओं को मिलेगी गति

उत्तरकाशी। भारत–चीन सीमा से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में रक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने वन भूमि हस्तांतरण से जुड़े लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सेना की विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित भूमि हस्तांतरण की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में राजस्व विभाग, वन विभाग और सेना के अधिकारियों के साथ लंबित प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों की सुरक्षा राष्ट्रीय महत्व का विषय है इसलिए रक्षा परियोजनाओं से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए वन स्वीकृति और अन्य प्रक्रियाओं में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए।

दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

लैंसडौन पुलिस की हिरासत में दुष्कर्म का आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लैंसडौन तहसील क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने व्यक्ति को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

बीते तीन अप्रैल को लैंसडौन निवासी एक व्यक्ति ने राजस्व पुलिस को तहरीर दी थी। तहरीर में कहा गया कि राकेश मोहन, निवासी डबरालस्यू लैंसडौन द्वारा उनकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया गया।

यही नहीं आरोपी ने यह बात किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। प्रकरण राजस्व क्षेत्र से संबंधित होने के कारण प्राप्त शिकायत पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए उपजिलाधिकारी ने मामला लैंसडौन कोतवाली में सौंप दिया। मामले की जांच महिला उपनिरीक्षक दीपिका बिष्ट के सुपुर्द की गई।

विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान नियमानुसार दर्ज किए गए तथा घटनाक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं की गहन जांच की गई। प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों का संकलन किया गया। विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों, पीड़िता के कथन, उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पीड़िता से दुष्कर्म करने में आरोपी राकेश मोहन की संलिप्तता प्रकाश आई। पुलिस टीम ने शुक्रवार को अभियुक्त राकेश मोहन को सुलतानपुर जनपद हरिद्वार क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

बच्चे और महिलाएं सीख रहे क्राफ्ट, मेंहदी, रंगोली के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : अभ्युदय परिवार लैंसडौन द्वारा आओ सीखें कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। आओ सीखें कार्यशाला में बच्चों और महिलाओं को निःशुल्क चित्रकला, क्राफ्ट, मेंहदी, रंगोली, स्टोन, पेंटिंग, बुनाई, सिलाई, फायरलैस, कुकिंग, नृत्य, विभिन्न प्रकार के नमक बनाने की विधि एपेण आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शनिवार को कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. रीता नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य शशि बिष्ट, प्रधानाचार्य भगवती सिंह, मीना अधिकारी, शीतल खंडेलवाल, संयोजिका भावना वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। संयोजिका भावना वर्मा ने बताया कि बच्चों और महिलाओं को प्रशिक्षण को लेकर काफी उत्साह है। कार्यशाला में शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चें और महिलाएं भी प्रतिभाग कर रही है।

बागेश्वर की टीम ने टिहरी को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा के पूर्व पालिकाध्यक्ष स्व. दीपक मोहन बड़ोला की स्मृति में दुगड्डा में खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जा रहा है। शुभारंभ मुकाबले में बागेश्वर की टीम ने टिहरी को 6-0 से हराया। इस दौरान युवाओं को खेल के प्रति जागरूक भी किया गया। स्व. दीपक मोहन बड़ोला मोमोरियल संस्थान की ओर से जीआईसी दुगड्डा में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन गढ़वाल रेजिमेंटल सेंटर लैंसडौन के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, बीईएल के महाप्रबंधक अंबरीष त्रिपाठी, पालिकाध्यक्ष शांति बिष्ट, कृषि उत्पादन मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष सुमन कोटनाला, शिक्षाविद राम प्रसाद बडोला ने किया। समिति के अध्यक्ष प्रदीप बडोला ने कमांडेंट को ज्ञापन सौंपकर बहेड़ी खेल मैदान को बच्चों के लिए खोलने की मांग की। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। राष्ट्रगान और भारत माता की जय और बद्रीविशाल की जय के उद्घोष के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के अन्य मुकाबलों में नैनीताल ने हल्द्वानी को 4-0 से हराया। तीसरे मैच में ऋषिकेश की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 6-2 से पराजित किया। समिति के अध्यक्ष प्रदीप बडोला ने बताया कि प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग की कुल 22 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। इस अवसर पर जागेश्वर जोशी, योगेश्वर बिष्ट, आशीष, सर्वेंद्र, जोएब, मृदुल, रौनक, शिवांग, तनुज, अमन, ध्रुव, अलका, सोनिया, राहुल जैन, प्रमोद अग्रवाल मौजूद रहे। संचालन संजीव कपूर, संजीव कोटनाला, अंकित रावत और सूरज चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।

समस्याओं को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल : चौरास युवा समाज कल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने किलकिलेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग के लिए तहसीलदार कीर्तिनगर प्रदीप कंडारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने, प्राचीन जलस्रोत के संरक्षण एवं मंदिर के सौंदर्यीकरण, संपर्क मार्ग के सुधार तथा दिशासूचक बोर्ड लगाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि किलकिलेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मंदिर क्षेत्र के संरक्षण और विकास के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। तहसीलदार प्रदीप कंडारी ने समिति को आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान समिति अध्यक्ष सुमित सिंह रावत, सचिव आयुष रतकली, उपाध्यक्ष आर्यन राणा तथा प्रवक्ता अमन काला आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

राहुल गांधी के संबोधन से उत्साहित कांग्रेसी, जीत के लिए करेंगे मेहनत

आयोजित बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे के दौरान सभाओं में उमड़ी भारी भीड़ पर कांग्रेसियों ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि भले ही राहुल गांधी सभा स्थल तक नहीं पहुंच पाए। लेकिन, उन्होंने वीडियों संबोधन से कार्यकर्ताओं को नई दिशा दी है। बदरीनाथ मार्ग स्थित कांग्रेस कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है, महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं तथा बेरोजगारी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करना प्रत्येक कांग्रेसी की जिम्मेदारी है। साथ ही यह उत्तराखंड के युवाओं और प्रदेश के भविष्य के हित में भी आवश्यक है। बैठक में प्रवेश रावत, रमेश चंद्र खंतवाल, बलबीर सिंह रावत, राजीव जखमोला (ब्लॉक अध्यक्ष, दुगड्डा), सनोज रावत, भीमेंद्र पंवार, सुरेंद्र सिंह गुसाईं, सुबेग जोशी, जावेद हुसैन, बृज मोहन सिंह नेगी, सुनील उनियाल, पवन कुमार रावत, महाबीर सिंह, त्रिभुवन सिंह सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने किया पौधा रोपण, संरक्षण का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही विद्यालय के प्रतियोगिता विभाग द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान पर्यावरण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर आधारित ऑनलाइन क्विज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रातः काल स्वयं सेवियों ने विद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया तथा फूलवारी और क्यारियों की निराई-गुड़ाई की। इसके अलावा विद्यालय परिसर में लगे पेड़ों की छाल कटाई एवं स्वच्छता कार्य भी संपन्न किया गया। इस दौरान स्वयं सेवियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत ने स्वयंसेवियों को विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व से अवगत कराया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने सभी स्वयं सेवियों एवं विद्यालय परिवार को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में कक्षा छह के अभ्युदय असवाल ने प्रथम, कक्षा सात की आराध्या ने द्वितीय तथा कक्षा आठ के सरस और कक्षा सात के योगेश ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में निधि असवाल एवं लक्की प्रथम, कुमकुम एवं अभिनव द्वितीय तथा अपर्णा एवं अभिनय संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में स्वयंसेवी कुमकुम रावत, अंशिका, अनिशा, कशिश, आयुषी, व्योम लखेड़ा, अभिनय सिंह रावत, ऋतिक सहित विद्यालय के कार्यालय प्रमुख राकेश चमोली, परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी, प्रतियोगिता विभाग प्रभारी राहुल भाटिया, प्रेम सिंह नेगी एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अभियान के दौरान पौधा रोपण करते विद्यार्थी

बार-बार टूट रही पेयजल लाइन, फरासू में बना हुआ पेयजल संकट

श्रीनगर गढ़वाल : एनएच के भूस्खलन क्षेत्र से बार-बार मलबा गिरने के कारण फरासू में पाइप लाइन बार-बार टूटने से पेयजल किल्लत बनी है। लोगों का कहना है कि मलबे के कारण पाइप लाइन को जोड़ना मुश्किल हो रहा है। जल संस्थान के फीटर जान-जोखिम में डालकर इसे जोड़ने में जुटे हैं। लाइन टूट जाने से लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम के पार्षद विजय कुमार का कहना है कि लाइन के बार-बार क्षतिग्रस्त होने के कारण फरासू गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द इसका ठोस समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल का कहना है कि एनएच लोनिवि की ओर से भूस्खलन क्षेत्र में किए जा रहे कार्य व लगातार गिर रहे मलबे से यह दिक्कत आ रही है। कई बार फीटर जान-जोखिम में डालकर लाइन ठीक कर चुके हैं। मगर लाइन फिर टूट जा रही है। इधर एनएच लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर चौहान ने कहा कि पूर्व में बिना एनओसी के यहां पर पाइप लाइन बिछाई गई है। इस समस्या के समाधान के लिए इस्टीमेट तैयार किया गया है। बजट स्वीकृत होने पर इसका समाधान हो जाएगा। (एजेंसी)

आक्रोशित लोगों ने दी प्रदर्शन की चेतावनी

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीकोट क्षेत्र में दूषित पानी की आपूर्ति से लोगों में नाराजगी है। वार्ड पार्षद गुड्डी गैरोला ने बताया कि कई बार जल संस्थान से इसकी शिकायत की गई लेकिन समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि जल संस्थान पानी के फिल्टरेशन की व्यवस्था सही करे नहीं तो स्थानीय लोग जल संस्थान कार्यालय में प्रदर्शन करेंगे।

जन जागरूकता से लगेगी वनाग्नि पर रोक

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र एवं निःशुल्क कोचिंग योजना, उत्तराखंड की ओर से वनाग्निः कारण एवं परिणाम विषय पर ऑनलाइन परिचर्चा की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने वनाग्नि के कारणों, दुष्परिणामों और रोकथाम के उपायों पर विचार विमर्श किया। प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि वनाग्नि जल संसाधनों और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती है। उन्होंने वन पंचायतों, स्थानीय समुदायों, आपदा प्रबंधन विभाग और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा जन-जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। केंद्र के संकाय सदस्य डॉ. अरविंद सिंह रावत ने वनाग्नि नियंत्रण में वन पंचायतों एवं वन विभाग की भूमिका पर जानकारी दी। डॉ. शैलेंद्र ने मृदा की उर्वरता और गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों, डॉ. वीर सिंह ने जलवायु परिवर्तन और बर्फ पिघलने की प्रक्रिया से पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। संचालन डॉ. आशीष बहुगुणा ने किया। परिचर्चा में आकाश कश्यप, साक्षी वर्मा, सौरभ कुमार, दीपक कुमार मावत, प्रियांशु और आंचल आदि ने विचार रखे। (एजेंसी)

होमगार्ड भर्ती शुरू, 187 अभ्यर्थी पहुंचे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में होमगार्ड जवानों के 60 पदों पर भर्ती के लिए शुक्रवार से जिला मुख्यालय स्थित रांसी स्टेडियम में शारीरिक नापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण शुरू हो गया है। भर्ती के पहले दिन 187 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। भर्ती के लिए 4344 आवेदन प्राप्त हुए थे। आवेदन पत्रों की जांच के बाद अब 4221 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होंगे। सीओ सदर तपेश कुमार चंद ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया सुचारु रूप से शुरू हो गई है। सभी अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उनकी शारीरिक नापजोख और शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में 60 होमगार्ड पदों के लिए चार हजार से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। भर्ती प्रक्रिया के दौरान निर्धारित मानकों के अनुसार अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता और पात्रता का परीक्षण किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। आगामी दिनों में शेष अभ्यर्थियों की भी शारीरिक जांच और दक्षता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

मनमोहन काला को मिला हरित स्मृति सम्मान से सम्मानित

आयोजित कार्यक्रम में मनमोहन काला को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवभूमि उत्कर्ष सेवा समिति के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मनमोहन काला को हरित स्मृति सम्मान दिया गया।

पदमपुर मोटाढांग स्थित शिव शक्ति मंदिर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सबसे पहले समिति के संयोजक राम भरोसा कंडवाल ने अपनी माता की पुण्यतिथि पर पौधा रोपण किया। मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण नौटियाल ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्यों के लिए समाजसेवी मनमोहन काला को सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कैप्टन जनार्दन प्रसाद बुड़ाकोटी एवं शिक्षाविद् दिनेश चौधरी रहे। संस्कृत भारती के जिलाध्यक्ष आचार्य रोशन गौड़ ने वैदिक स्वस्तिवाचन प्रस्तुत किया, जबकि गेप्स की सांस्कृतिक प्रभारी रेखा ध्यानी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने वातावरण को भक्तिमय बनाया। जगत सिंह नेगी ने मनमोहन काला के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। समिति के महासचिव डॉ. सुंदर लाल जोशी ने स्वर्गीय पंडित मथुरा प्रसाद एवं गेंदा देवी के सामाजिक और मानवीय योगदान को याद किया। समिति के संयोजक राम भरोसा कंडवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व के बारे में बताया।

खैरालिंग मेले के पहले दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के मुंडेश्वर में शनिवार से दो दिवसीय ऐतिहासिक खैरालिंग कौथिग शुरू हो गया। इस धार्मिक आयोजन में ग्रामीणों के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रवासी ग्रामीणों की भी भीड़ उमड़ी। शनिवार को ढोल-दमाऊं की थाप के साथ थैर, सकनोली और रिठोगी गांवों से श्रद्धालु खैरालिंग महादेव मंदिर परिसर पहुंचे। रविवार को कौथिग में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। पहले दिन मेले में मुख्यातिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना बुटोला ने शिरकत की। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि इस प्रकार के पौराणिक ऐतिहासिक मेले हमारी संस्कृति की धरोहर है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इन मेलों का संरक्षण करें। उन्होंने मेले में बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए मंदिर समिति का धन्यवाद व्यक्त किया।मेले की शुरुआत परम्परा के अनुसार पट्टी असवालस्यूं के ग्राम थैर, रिठौली, सकनोली से इस बार मां देवी के निशान (ध्वज) ढोल-दमाऊ के साथ तय समय के अनुसार मन्दिर में स्थापना हुई। इस दो दिवसीय मेले में तीनों पट्टियों के अलावा सतपुली, पौड़ी एवं भारी संख्या में क्षेत्र के प्रवासी महानगरों से गांव पहुंचे है। पहले ही दिन मन्दिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की सुबह से श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतारें देखने को मिली जैसे ही देवी के निशान चढ़े मंदिर में चढ़े मंदिर स्थल बाबा खैरालिंग महादेव के जयकारों से गूंजने लगा निशान चढ़ने के बाद मेले में आए श्रद्धालुओं व मेले आए कौथिगेर ने जमकर खरीदारी की और मेल का भरपूर लुप्त उठाया। मेले में पूर्व विधायक मुकेश कोली, हेमंती नंदन बहुगुणा केंद्रीय गढ़वाल विश्व विद्यालय के कला संस्कृति निष्पादन केंद्र निर्देशक गणेश खुगशाल गणि, जिला पंचायत सदस्य गढ़कोट श्रीमती सविता देवी ने भी श्रद्धालुओं को संबोधित किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल नेगी ने मेले में शांति व्यवस्था के लिए सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का मुंडेश्वर महादेव मंदिर का स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र ओढ़कर का सम्मानित किया। इस अवसर पर उनका सहयोग मंदिर समिति के उपाध्यक्ष जसपाल सिंह नेगी, सचिव विवेक नेगी, टोनी सहित समस्त मंदिर समिति के सदस्यों ने बखूबी किया। मंच का संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य गढ़कोट संजय डबराल मिंटू ने किया। मेले में युवा चर्चित मंगलेर नवीन बिष्ट भी मेला परिसर पर आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने मंदिर परिसर पर मंच पर सुंदर-सुंदर मांगलिक गीतों ऑफ लोक गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

शिविर में लोगों ने कराई दांतों की जांच

श्रीनगर गढ़वाल : अवकाश प्राप्त कर्मचारी विकास संगठन सभागार में रामचन्द्र ऑरो डेंटल क्लिनिक एवं इम्प्लांट सेंटर के संचालक डॉ. केके गुप्ता के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य एवं दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संगठन के सदस्यों ने वरिष्ठ नागरिकों के दांतों का परीक्षण किया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि नियमित दंत परीक्षण से रोगों का प्रारंभिक अवस्था में ही पता चल जाए तो समय रहते उपचार संभव हो पाता है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रियायत एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। दंत चिकित्सक डॉ. पूजा ने आवश्यक परामर्श दिया। संगठन के सचिव दीनबंधु सिंह चौहान ने डॉ. गुप्ता का आभार जताया। इस मौके पर राजाराम जोशी, संगठन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र मैठाणी, पूर्व अध्यक्ष पीसी नौडियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या – 06/2026–27, 07/2026–27 एवं 08/2026–27 जोकि दिनांक– 06/06/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं को क्रय करने की तिथि को दिनांक– 17/06/2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराह्न 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

पत्रांक : 337/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 06.06.2026

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

दैनिक जयन्त-विचार

कर्नाटक : डीके शिवकुमार के सीएम होने के मायने

डॉ. सुधीर सक्सेना

28 मई को अंततः कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सियासत की दरोदीवार पर अटकलों और कयासों के सब्ज़े उगने का दौर तब थम गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इसके लिये उन्होंने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को अपने सरकारी आवास पर सुबह के नाश्ते पर आमंत्रित किया और बीते तीन साल में उनके सहयोग के लिए आभार जताते हुये कहा कि वह अपरान्ह तीन बजे इस्तीफा देने राजभवन जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सहयोग की बात कही, तो यह स्पष्ट हो गया कि शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे। मई का महिना शिवकुमार के लिए बड़ा मायने रखता है। उनका जन्म आज से चौसंठ साल पहले 15 मई को कनकपुरा में हुआ था और सन 2023 में मई माह में ही उनके अथक प्रयासों से बीजेपी की येदियुरप्पा– सरकार को अपदस्थ कर कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी। यह दीगर है कि जीतोड़ कोशिशों के बाद डीकेएस तब सीएम नहीं बन सके थे और उनसे वरिष्ठ और अनुभवी सिद्धारमैया ने बज़िद बाजी मार ली थी। बहरहाल, 28 मई को डीकेएस को सुबह का ब्रेकफास्ट उनके अपने जन्मदिन और कांग्रेस सरकार की सालगिरह के समारोह के नाश्तों से अधिक सुखद और लज्जतदार लगा होगा, क्योंकि इस रोज उनका पालित सपना या साध पूरी हुई।

डीकेएस यानि डोडालाहल्ली केंपेगौड़ा शिवकुमार कर्नाटक के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार हैं। वह धनाढ्य हैं, लोकप्रिय हैं, जुझारू और दबंग हैं और कुशल रणनीतिकार हैं। वह महत्वाकांक्षी हैं। करीब चार दशकों का उनका सियासी सफर दिलचस्प और घटनाप्रधान रहा है। वह खांटी कांग्रेसी हैं और सोनिया गांधी के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है। तीन साल पहले कर्नाटक में सत्ता में कांग्रेस की वापसी पर उन्होंने सोनियाजी से अपना कौल निभाने की बात कही थी। डीकेएस का कॉन्फिडेंस लेबेल गज़ब का है। उन्हें जायंट–किलर यूं ही नहीं माना जाता। पहलेपहल उन्हें इस विशेषण से तब नवाजा गया था, जब सन 1989 में सथानूर से एचडी देवेगौड़ा को हराया था। इसी क्रम में उन्होंने एचडी कुमारस्वामी, पीजीआर सिंधिया और अनिता कुमार स्वामी को भारी मतों के अंतर से परास्त किया। देवेगौड़ा परिवार की त्रयी को हराने की तिकड़ी उनके खाते में दर्ज है। सन 2018 में उनकी जीत का अंतर अस्सी हजार से अधिक मतों का था। सन 2019 की भगवा लहर में भी वह अपने भाई डीके सुरेश को लोकसभा के लिए जिताने में कामयाब रहे। उनकी ब्यूह रचना का लोहा उनके विरोधी भी मानते हैं। वह कुबेर राजनेता हैं और सन 2018 में चुनावी हलफनामे में उन्होंने 840 करोड़ की संपत्ति दर्शाई थी। डीकेएस का जीवन संघर्षों से बिंधा रहा है। सन 2017 में उनके दफ्तरों, ठिकानों और बिड़दी में ईगलटन गोल्फ रिजार्ट पर आयकर छापा पड़ा। उनके बंगलौर, चेन्नै, दिल्ली और मैसूरू के 67 ठिकानों पर तीन सौ अफसरों ने अस्सी घंटे छानबीन की। मौके पर सीआरपीएफ की तैनाती हुई। करीब दस करोड़ की संपत्ति जब्त हुई। अग्रिम जमानत के बावजूद तीन सितंबर, 2019 को उन्हें गिरफ्तार किया गया और डेढ़ माह से अधिक का समय उन्हें तिहाड़ जेल में बिताना पड़ा। उन पर मनी लांड्रिंग, कर वंचन, अवैध खनन के आरोप लगे, लेकिन वह डिगे नहीं और सोनिया–राहुल के प्रति अडिग वफादारी के सुबूत देते रहे।

दिल्ली में गत दिनों मैराथन बैठकों ने संकेत दिया था कि कर्नाटक की देगची में नेतृत्व परिवर्तन की खिचड़ी पक रही है। सिद्धारमैया ने कहा भी कि वह केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर त्यागपत्र दे रहे हैं। कर्नाटक–प्रभारी सुरजेवाला इसे पॉवर–शेयरिंग नहीं मानते, लेकिन यह तय है कि डीकेएस के सब्र का प्याला छलकने की वेला आ सकती थी।

चिंतन-मनन

इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

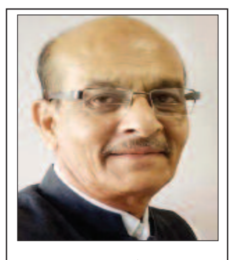

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉर्पोरेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉर्पोरेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है। जिस तरह के हालात वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग और न्यायपालिका के फैसलों पर आरोपों की झड़ी लग रही है। डॉलर और युआन के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घटती चली जा रही है। आयात और निर्यात का अंतर बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण भारत एक ऐसे संकट में फंस गया है, जिससे सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संकट से देश किस तरह से निकल पाएगा, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की चिंताएं बढी हुई हैं। वर्तमान आर्थिक स्थिति ने भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चिंता को बढ़ा दिया है।

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें–क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है–सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहींः

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मालवीय नगर की आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया; उसने हमारी शहरी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा संस्कृति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब समय केवल शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई करने का है। क्योंकि हर हादसे के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है–क्या हमने उससे कुछ सीखा? यदि इस बार भी उत्तर नहीं रहा, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार कर रही होगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

ारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम 'खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो 'मिलावट-मुक्त भारत' को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। 'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार', यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात के लिए ट्रंप तैयार, कहा-उनसे मिलकर सम्मानित महसूस करूंगा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम के बीच ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ जारी कूटनीतिक प्रयास किसी समझौते तक पहुँचते हैं, तो उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से मिलने में सम्मान महसूस होगा। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ऐसी किसी भी मुलाकात का आयोजन अत्यंत सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुझे मिलना पड़ा, तो मुझे उनका सम्मान होगा। लेकिन अगर हम कोई समझौता करते हैं, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह किसी भी मुलाकात में सम्मान के साथ पेश आएंगे और खामेनेई को शायद एक पेशेवर बताया, जिनकी कुछ हलकों में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है। ईरानी नेता के संबंध में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा, कुछ लोग बुरा कहते हैं, लेकिन बहुत से लोग मेरे बारे में बुरा कहते हैं। निश्चित रूप से यह पूरी तरह से गलत है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते का मुख्य हिस्सा यह होगा कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा। ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर नियंत्रण कर सकता है, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान ने यूरेनियम का संवर्धन बंद कर दिया है और अमेरिकी अधिकारी इस सामग्री की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर कहा कि होर्मुज को जल्द दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने लगाए नए प्रतिबंध, ट्रंप बोले-इस मुद्दे को हम संभालेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है। अमेरिका ने जिन लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के बेटे एलेजांद्रो कास्त्रो एस्पिन और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियों और बैंक खातों को फ्रीज करने का फैसला किया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन नेताओं की अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में बहुत कम हिस्सेदारी है। इसके बावजूद इस कदम को ट्रंप प्रशासन की कड़ी राजनीतिक चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार क्यूबा की सरकार पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हटाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर ऊर्जा नाकेबंदी भी लागू की थी। इससे क्यूबा में ईंधन संकट, बिजली कटौती और खाद्य संकट और गहरा गया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा पहले से ही लगभग टूट चुका है और अमेरिका इस मुद्दे को भी संभालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा के पास सुंदर जमीन और पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं।

काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव में जुटेंगे भारत-नेपाल के दिग्गज

काठमांडो , एजेंसी। काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) का चौथा संस्करण 6 जून से नेपाल के ललितपुर में आयोजित होगा। इसका मुख्य विषय सीमा से परे : दक्षिण एशियाई साहित्य है। उद्घाटन समारोह में नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की मुख्य अतिथि होंगी। दो दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में साहित्य, संस्कृति, सिनेमा और कूटनीति के दिग्गज हिस्सा लेंगे। महोत्सव में इला अरुण, प्रतिभा राय, आचार्य प्रशांत और पीयूष मिश्रा जैसी हस्तियां शामिल होंगी।

क्रोएशिया में विमान हादसा, 4 लोगों की मौत

मेडुलिन, एजेंसी। क्रोएशिया में बृहस्पतिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसा इस्त्रिया प्रायद्वीप के मेडुलिन शहर के पास हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी हिना के अनुसार, यह एक जर्मन विमान था और इसने ऑस्ट्रिया से उड़ान भरी थी। स्थानीय पायलट नियाज डेलिक ने एक समाचार पोर्टल को बताया कि विमान हवा में चक्कर खाते हुए ज़मीन पर आ गिरा। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में विमान का मलबा एक खेत में बिखरा दिख रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। अभी स्पष्ट नहीं है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे।

आवारा कुत्ते को लेकर भिड़े मेक्सिको और ब्राजील, एक देना चाहता नोट पर जगह, दूसरे ने बनाया राष्ट्रीय सम्मान

मेक्सिको, एजेंसी। भारत में आवारा कुत्तों को लेकर आए दिन विवाद सामने आता रहता है। सुप्रीम कोर्ट भी इस मुद्दे पर कई बार प्रतिक्रिया दे चुका है। लेकिन इसके बाद भी दिल्ली और तमाम भारतीय शहरों में आवारा कुत्ते दिखाई देते रहते हैं। भारत समेत हर देश के लिए उनकी देशी नस्ल के कुत्ते खास होते हैं, लेकिन कभी आपने सुना है कि दो देश आवारा कुत्ते की एक नस्ल के लिए आपस में मनमुटाव कर बैठें? जी हां, लैटिन अमेरिका के दो देश मेक्सिको और ब्राजील के बीच आवारा कुत्ते की एक नस्ल (कारोमेलो) को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको ने इसे अपनी धरोहर घोषित किया है, जिसकी वजह से ब्राजील के लोगों में नाराजगी है। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ, जब अप्रैल में मैक्सिको ने कुत्ते की इस नस्ल को मेक्सिकन घोषित कर दिया। ब्राजील में लोकप्रिय इस कुत्ते के बारे में जब वहाँ के लोगों ने सुना तो उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील के लोगों ने सार्वजनिक तौर पर इसका विरोध किया, जबकि सरकार से अनुरोध भी किया कि वह अपने देश की धरोहर की रक्षा करें।

ब्राजील में क्यों फेमस है कारोमेलो कुत्ता : कारोमेलो नस्ल के यह कुत्ते ब्राजील के साथ-साथ मेक्सिको में भी बहुतायत में मिलते हैं। अपने भूरे रंग और फुर्तीले शरीर की वजह से दोनों ही देशों में यह काफी लोकप्रिय हैं। लेकिन ब्राजील में इनकी लोकप्रियता को शिखर उस समय मिला, जब 2019 में इनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गए। लोगों ने इन्हें पालना शुरू कर दिया और हद तब हो गई, जब ब्राजील के दस रियाश के नोट पर इनकी तस्वीर छपवाने को लेकर प्रयास शुरू हुआ। इस मुद्दे को लेकर एक पिटीशन बनाई गई, जिसको करीब 50 हजार लोगों ने अपना समर्थन दिया। धीरे-धीरे लोगों ने ब्राजील के इतिहास को भी कारोमेल कुत्ते से जोड़ना शुरू कर दिया और यह वायरल हो गया। इतना ही नहीं इस कुत्ते के ऊपर नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म भी बनाई गई।

कारोमेलो : हाल ही में अप्रैल में जब मैक्सिको ने इसे अपने राष्ट्रीय प्रतीकों में हिस्सा दिया, तो ब्राजील के लोगों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने मैक्सिकन सरकार को इसके लिए खूब खरी खोटी भी सुनाई। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे 'ब्राजील मूल' का बताया।

मेक्सिको ने दिया जवाब : ब्राजील की तरफ से उठती विरोध की आवाजें मैक्सिको तक भी पहुंची। इन विरोधी की आवाजों का जवाब मैक्सिको के ह्यूमन वर्ड फॉर एनिमल्स के क्लाउडिया एडवर्ड्स ने दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'ब्राजील पहला देश था, जिसने इस कुत्ते को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी और दुनिया के सामने लाया। लेकिन यह भी सच है कि यह कुत्ता केवल ब्राजील की विरासत नहीं है, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका की विरासत है।

फिलहाल दोनों देश भले ही इस कुत्ते पर अपना दावा ठोक रहे हैं, लेकिन यह नस्ल अभी भी दोनों देशों में सड़कों पर बेसहारा घूमती हुई मिल जाती है। क्या है कारोमेल कुत्ते की कहानी ब्राजील और मेक्सिको के बीच में कारोमैल कुत्ते को लेकर यह प्रेम अहम है। क्योंकि दोनों ही देश इसे अपनी सांस्कृतिक बदलाव और कॉलोनियल काल के इतिहास के जोड़कर देखते हैं। ब्राजील की डीएनए जांच करने वाली एजेंसी के मुताबिक कारोमैल कुत्ता एशिया, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की कुल मिलाकर करीब 300 नस्लों का मिश्रण है। इसलिए यह और भी खास हो जाता है।

इस कुत्ते की कहानी लैटिन अमेरिका क्षेत्र में आने वाले यूरोपीय आक्रमणकारियों से शुरू होती है। यूरोप से आने वाले फ्रांसीसी और अंग्रेज अपने साथ कुत्ते भी लेकर आए। धीरे-धीरे वह एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से भी कुत्ते यहां लेकर आए। कई दशकों का इन कुत्तों के बीच में अनियंत्रित प्रजनन हुआ, जिसकी वजह से कई नई नस्ल सामने आई। यूरोपियों के जाने के बाद लोगों ने अपने घरों और खेतों की देखभाल के लिए कुत्तों को बड़ी तदाद में पालना शुरू किया। इसकी वजह से कुत्तों की बहुत ज्यादा तदाद हो गई। इसी के फलस्वरूप आज का कारोमेल कुत्ता सामने आया। ब्राजील के लोग इसे अपने इतिहास के संघर्ष और बदलाव का प्रतीक मानते हैं। वहीं, मैक्सिको भी इसे अपनी राष्ट्रीय धरोहर मानता है।

थम जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र

मास्को, एजेंसी। चार साल से भी ज्यादा से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खुला पत्र लिखकर आमने-सामने बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है। चार साल में यह पहली बार है जब जेलेंस्की ने खुलकर पुतिन के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि किसी भी तटस्थ देश में बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा है कि स्विट्जरलैंड, तुर्किए या फिर अरब का कोई भी देश बातचीत के लिए अनुकूल साबित हो सकता है।

बातचीत के लिए सुझाए देशों के नाम : जेलेंस्की ने यह भी कहा है कि बातचीत ना तो मॉस्को में होनी चाहिए और ना ही कीव में। उन्होंने कहा कि बड़े मुद्दों का समाधान दोनों देश के नेता ही कर सकते हैं। ऐसे में पुतिन को ऐसी कोई तारीख निश्चित करनी चाहिए जब बात हो सके। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने का कोई फायदा नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका का ध्यान इस समय ईरान पर ज्यादा है।

रूस पर गंभीर आरोप : जेलेंस्की ने अपने पत्र में यह भी कहा कि रूस को जमीनी अभियान में सफलता नहीं मिल पाई है और ऐसे में वह बैलिस्टिक मसाइलों का इस्तेमाल ज्यादा करने लगा है। रूस चाहता है कि यह युद्ध एक दो साल और चले ताकि उसे किसी भी तरह

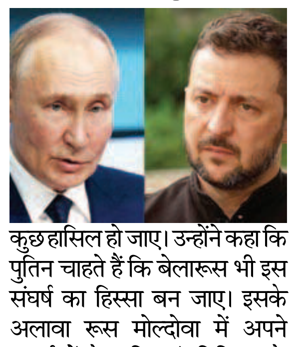

कुछ हासिल हो जाए। उन्होंने कहा कि पुतिन चाहते हैं कि बेलारूस भी इस संघर्ष का हिस्सा बन जाए। इसके अलावा रूस मोल्दोवा में अपने समर्थकों के जरिए ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस इस युद्ध से त्रस्त हो चुका है और अब इसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन की तरफ से होने वाले ड्रोन हमलों, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कमी की वजह से रूस आर्थिक दबाव में है और पस्त हो चुका है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पिछळे महीने में ही रूस के 30 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे गए या फिर अपाहिज हो गए। उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस युद्ध में यूक्रेन को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत के दौरान पूरी तरह से युद्धविराम लागू होना चाहिए। इसके अलावा युद्धबंदियों की भी अदला-बदली होनी चाहिए। जेलेंस्की ने रूस की जेल में बंद अपने नागरिकों को लौटाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दुनिया यूक्रेन से नहीं बल्कि रूस से परेशान हो गई है। यूक्रेन को दुनियाभर के देशों का समर्थन मिल रहा हैऔर रूस पर ही अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाया जा रहा है।

गाजा में फिर भीषण हवाई हमले, महिलाओं-बच्चों समेत 10 की मौत; सीजफायर के बीच भी जारी हिंसा

गाजा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और संघर्ष दोनों साथ चल रहे हैं। गाजा से लेकर लेबनान तक लगातार हवाई हमलों, जवाबी कार्रवाई और संघर्ष विराम के बावजूद हो रही मौतों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर लागू होने के बाद भी अब तक 936 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय माना जाता है, हालांकि यह नागरिकों और लड़ाकों का अलग-अलग आंकड़ा जारी नहीं करता। इस्राइल का कहना है कि हमले उन घटनाओं के जवाब में किए जाते हैं जिनमें समझौते का उल्लंघन या सुरक्षा खतरा शामिल होता है। इस्राइल की सेना ने दावा किया कि उत्तरी गाजा में हुए हमलों में हमास के चार लड़ाकों को मार गिराया गया है। सेना के अनुसार ये लोग हमास नेतृत्व की सुरक्षा और खुफिया जानकारी से जुड़े थे। सेना ने यह भी कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सटीक हथियारों और निगरानी का उपयोग किया गया। हालांकि शाम के हमले को लेकर सेना ने तत्काल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी।

गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार गुरुवार को हुए अलग-अलग हमलों में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं जब क्षेत्र में पहले से ही जारी संघर्ष और सीजफायर के बावजूद हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के अनुसार रातभर में चार अलग-अलग हमलों में नौ लोगों की मौत हुई। अस्पताल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, रेड क्रॉस द्वारा संचालित सराया फील्ड अस्पताल ने बताया कि गुरुवार शाम हुए एक और हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक हमले में रिहायशी इमारत की ऊपरी मंजिल पर बड़ा धमाका हुआ, जिससे दीवारें टूट गईं और घर का सामान बिखर गया। हमलों के बाद अस्पतालों में परिजनों की भीड़ उमड़ पड़ी। एक पीड़ित के रिश्तेदार वलीद शबेर ने कहा कि हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं।

चीन के लिए करता था जासूसी': अमेरिकी पत्रकार ने कोर्ट में कबूला गुनाह, शी जिनपिंग तक पहुंचती थी रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। चीन में लंबे समय से रह रहे अमेरिकी पत्रकार थॉमस पाउकेन द्वितीय ने अदालत में स्वीकार किया है कि वह बिना कानूनी अनुमति के चीनी सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के लिए जानकारी जुटाने और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने का काम किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें 1 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी और उसे अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

पाउकेन 2010 से चीन में रह रहे थे और वहां कई सरकारी मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुके हैं। वह अपने पिता से अलग पहचान बनाने के लिए टॉम मैकग्रेगर नाम से लेख लिखते थे। उनके पिता

टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

जांच एजेंसियों ने क्या-क्या खुलासे किए : जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाउकेन कम से कम 2019 से चीनी एजेंटों के संपर्क में था। वह कैथी नाम की एक महिला के लिए रिपोर्ट तैयार करते थे, जिसे वह चीन की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा मानते थे। आरोप है कि 2019 से 2025 के बीच उसे इन रिपोर्टों के बदले करीब एक लाख डॉलर और अमेरिका की कई प्रायोजित यात्राएं मिलीं। पाउकेन का दावा था कि उनकी रिपोर्टें सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक पहुंचती थीं। एफबीआई के अनुसार, पाउकेन ने ऐसे लोगों की तलाश की जो अमेरिकी प्रशासन में नौकरी हासिल कर सकते थे और बाद में संवेदनशील या गोपनीय जानकारी चीन तक पहुंचा सकें। फरवरी 2025 में वाशिंगटन में हुई एक बैठक के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को सिम कार्ड दिया और उसे हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करने के बदले 10,000 डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन रिपोर्टों का उद्देश्य अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करना था।

अदालती दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि जनवरी 2025 में अमेरिका लौटने पर पाउकेन ने अधिकारियों को बताया था कि वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहा है जो ट्रंप प्रशासन में नौकरी पाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने माना था कि उन्हें 80 प्रतिशत यकीन है कि वह व्यक्ति नौकरी मिलने के बाद चीन को गोपनीय जानकारी दे सकते हैं।

पाउकेन किन्हें अपनी रिपोर्टें बेचीं : न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के वुहान शहर से जुड़े कुछ लोगों को भी रिपोर्टें बेचीं। ये लोग अमेरिकी तकनीक और न्याय विभाग से जुड़ी जानकारियां चाहते थे व साइबर जासूसी में मदद करने वाले विशेषज्ञों की तलाश कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि पाउकेन ने अमेरिका के विदेशी एजेंट पंजीकरण कानून के तहत खुद को कभी पंजीकृत नहीं कराया और न ही अटॉर्नी जनरल को इसकी जानकारी दी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह मामला चीन की ओर से कथित प्रभाव संचालन और जासूसी गतिविधियों के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

भारत पर दबाव डालने की नीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए हानिकारक : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक' है। रूस के राष्ट्रपति ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान यह बात कही। क्रेमलिन के अनुसार, पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुतिन ने कहा, 'मुझे आपका सवाल थोड़ा अजीब लगा। आपने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की वजह से रूस और भारत के रिश्तों में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।' उन्होंने कहा कि? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते विकसित कर रहा है। वह एक महान

देश है, जिसकी आबादी 1.5 अरब है, जिसकी अर्थव्यवस्था बड़ी है, और जिसे कई लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं।

पुतिन ने कहा कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अपने हितों के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाए और जिन देशों के साथ जरूरी समझे, उनके साथ सहयोग करे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ मामलों में अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग को लेकर, लेकिन अब सभी यह समझ चुके हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक है, चाहे यह दबाव कहीं से भी आए।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह वार्षिक बैठक दुनिया की प्रमुख मीडिया संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, आर्थिक मुद्दों और रूस की विदेश नीति पर सवाल-जवाब के रूप में चर्चा करने का अवसर देती है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान हो रही है, जो तीन जून से छह जून तक आयोजित होगी।

दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की एक महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। दो दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शिखर स्तर की वार्ताएं, औपचारिक कार्यक्रम और कई द्विपक्षीय बैठकें हुई थीं। इन चर्चाओं में रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, ऊर्जा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ औपचारिक बातचीत भी की थी। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की थी, जिसे 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिले 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

पाकिस्तान तो भरोसे के काबिल ही नहीं, यूएस-ईरान में मध्यस्थता को लेकर भड़का इजरायल

तेलअवीव, एजेंसी। भारत में इजरायली राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि मध्य एशिया में चल रहे तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान विश्वास के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक अविश्वसनीय और केवल परेशानी पैदा करने वाला दे है। बता दें कि पाकिस्तान बार-बार और ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में मध्यस्थता का दावा कर रहा है और अमेरिकी इसे स्वीकार भी कर रहा है।

आतंक का समर्थक है पाकिस्तान : अजार ने कहा कि मध्यस्थता करने के लिए सबसे पहले ऐसी पार्टी की जरूरत होती है जिसपर विश्वास किया जाए और वही क्वालिटी पाकिस्तान में है नहीं। बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भारत ने किसी तरह की आपत्ति जाहिर नहीं की है। वहीं इजरायली राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान के पास मध्यस्थता करने की क्षमता ही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मध्यस्थता करने वाली पार्टी ही कट्टरपंथियों की समर्थक हो तो उसका क्या परिणाम निकलने वाला है। पाकिस्तान का झुकाव हमेशा से आतंकवाद और रूढ़िवादी ताकतों की ओर रहता है। ऐसे में अमेरिका को भी सतर्क रहने की जरूरत है और ऐसे देश के झांसे में नहीं आना चाहिए। बता दें कि पिछले महीने जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत यात्रा पर आए थे तो पाकिस्तान को लेकर चर्चा तो खूब हुई लेकिन यह मुद्दा

आतंकवाद पर ही फोकस था। ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

पीएम मोदी और नेतन्याहू के रिश्ते पर क्या बोले राजदूत : अजार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच किसी भी तरह की दरार की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि जो लोग दोनों नेताओं के बीच फूट की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा। उन्होंने लेबनान में सैन्य अभियान को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और ट्रंप के बीच कथित तीखी बहस को 'मैत्रीपूर्ण रणनीतिक मतभेद' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत इन मतभेदों को वास्तविकता से कहीं अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। अजार ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कथित तनाव की धारणा किसी बुनियादी रणनीतिक मतभेद के कारण नहीं, बल्कि उनकी अलग-अलग कार्यशैली और व्यक्तिगत नेतृत्व शैली के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत से लोग राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच दरार तलाशना चाहते हैं।

ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतें: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी। यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।''

वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया।

हालांकि डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों ने इस दावे पर सवाल उठाए। समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य रिचर्ड नील ने कहा कि परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों पर पहले से अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए टैरिफ और ईरान संघर्ष दोनों को जिम्मेदार ठहराया। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने बढ़ती ईंधन कीमतों को खराब होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताया। जुडी चू ने कहा कि अमेरिकी

नागरिक अब भी पेट्रोल, किराने के सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। वहीं ब्रेंडन बॉयल ने अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी का उल्लेख किया। जॉन लार्सन ने बेसेंट से पूछा कि क्या इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया, ''जी हां, संघर्ष की वजह से कीमतें बढ़ीं।'' हालांकि उन्होंने दोहराया कि यह बढ़ोतरी अस्थायी है और व्यापक महंगाई की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पद संभालने के बाद से कोर महंगाई दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।'' बेसेंट ने ईरान संघर्ष को लेकर प्रशासन की व्यापक नीति का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है और इसके लिए अल्पकालिक आर्थिक परेशानियां स्वीकार की जा सकती हैं।

लॉमेकर्स के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने या वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डालने की अनुमति दी जाती, तो अमेरिकी नागरिकों को कहीं अधिक गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा बाजार पहले ही खुद को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालना शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और पेट्रोल की कीमतें आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों का ही अनुसरण करती हैं।''

यह सुनवाई से स्पष्ट हो रहा है कि ईरान संघर्ष के आर्थिक प्रभाव अब वॉशिंगटन में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। रिपब्लिकन नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन की नीति का समर्थन किया, जबकि डेमोक्रेटिक नेताओं का कहना है कि इसकी आर्थिक कीमत आम अमेरिकी नागरिकों को अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकानी पड़ रही है।

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता–पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना ज़रूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज़ के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस–पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता–पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या–समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल–प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो फ्रबंद करोफ्र या बंद करो या फ्रयह मजाक नहीं हैफ्र जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की ज़रूरत नहीं है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी :

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2–3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नींबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1–2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता–पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली जुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए– चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई– बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े सभी आवश्यक कार्य प्राथमिकता से पूरा करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत विकासखंड गैरसैंण की ग्राम पंचायत सारकोट में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को भी निर्देश दिए कि सारकोट में स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। ग्रामीण निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सारकोट के पांचों तोकों में लगभग 250 आवासों के सौंदर्यीकरण कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने गौशालाओं के निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। सामूहिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग द्वारा कराए जा रहे लगभग 950 मीटर सोलर चेन लिंक फेंसिंग कार्य में तेजी लाने तथा इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा। साथ ही प्राथमिक विद्यालय सारकोट में संचालित सिविल एवं अन्य विकास कार्यों को भी समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि ग्राम पंचायत सारकोट में 203 से अधिक कृषकों की 126.22 हेक्टेयर कृषि भूमि को चेन लिंक फेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित किया जाना है। विभाग द्वारा 10 जियो लाइन टैंकों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा चार टैंक निर्माणाधीन हैं। इसके अतिरिक्त 1600 मीटर चेन लिंक फेंसिंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि पूरे गांव को सोलर फेंसिंग से आच्छादित करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने सारकोट में किए जा रहे विकास कार्यों को आदर्श मॉडल बताते हुए विकासखंड के परवाड़ी गांव को भी इसी तर्ज पर विकसित करने के लिए खंड विकास अधिकारी को विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

यमुनोत्री धाम पहुंचे पंकज मोदी

उत्तरकाशी। बडकोट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाई पंकज मोदी ने गांधीनगर की मेयर मीरा पटेल सहित 12 सदस्यों के साथ यमुनोत्री धाम पहुंचकर मां यमुना के दर्शन किए और पूजा–अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सादगीपूर्ण तरीके से यात्रा पूरी की और वापस लौट गए। यात्रा के दौरान तीर्थ पुरोहित सुरेश उनियाल ने उन्हें यमुनोत्री धाम और पैदल मार्ग की समस्याओं से अवगत कराया तथा वर्षों से लंबित रोपवे परियोजना की स्थिति पर भी जानकारी दी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

कोटद्वार, जयन्त प्रतिनिधि। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में "मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना" के अंतर्गत पोस्टर एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बी.एड. विभागाध्यक्ष एवं योजना के समन्वयक प्रो. रमेश सिंह चौहान के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें पर्यावरणीय समस्याओं एवं उनके समाधानों के प्रति संवेदनशील बनाना था।कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 50 से 60 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण जैसे विषयों पर आकर्षक पोस्टर, चार्ट एवं मॉडल तैयार किए। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण संदेशों को रचनात्मक एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी–अपनी कक्षाओं में प्रदर्शनी (लगाई, जहाँ उन्होंने अपने पोस्टर, चार्ट एवं मॉडलों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों का प्रस्तुतीकरण करते हुए उनके उद्देश्य, उपयोगिता एवं पर्यावरणीय महत्व को विस्तारपूर्वक समझाया। प्रस्तुतीकरण के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण प्रदूषण की वर्तमान चुनौतियों तथा उनके संभावित समाधानों पर भी प्रकाश डाला। उनकी रचनात्मकता, विषय की समझ एवं प्रस्तुतीकरण शैली ने सभी उपस्थित जनों को प्रभावित किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. एस. नेगी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं बी.एड. विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज एवं पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों एवं मॉडलों की प्रशंसा की तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में इतिहास विभाग के डॉ. जुनीश कुमार, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. डी. के. मौर्य उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों के पोस्टरों एवं मॉडलों का मूल्यांकन उनकी विषय–वस्तु, रचनात्मकता, प्रस्तुतीकरण, पर्यावरणीय संदेश एवं नवीनता के आधार पर किया। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में शोध, नवाचार एवं सामाजिक चेतना का विकास करती हैं। कार्यक्रम में डॉ. सुशील चन्द्र बहुगुणा, डॉ. सुषमा थपलियाल भट्ट, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. एस. के. आर्य, डॉ. डी. बी. सिंह तथा डॉ. डी. के. मौर्य भी उपस्थित रहे। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके द्वारा प्रस्तुत पोस्टरों एवं मॉडलों की सराहना की। सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सफल, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इस कार्यक्रम की जानकारी पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के अरविन्द दुदपुड़ी ने दी। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ उनकी रचनात्मकता, प्रस्तुतीकरण कौशल एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ किया। अंत में सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं उपस्थित प्राध्यापकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एक नजर

मुआवजा व पुल निर्माण के लिए ग्रामीणों का प्रदर्शन

उत्तरकाशी। मोरी क्षेत्र के नैटवाड़ बैराज से प्रभावित ग्रामीणों ने अधिग्रहित भूमि का मुआवजा देने और पुल निर्माण के लिए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने खेती की सुरक्षा और चरान पर लगी रोक हटाने की मांग उठाई। टौंस नदी पार कर कृषि भूमि तक पहुंचने के लिए पुल बनाने की मांग की। ग्रामीणों ने परियोजना प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। नैटवाड़ और गैंचवाण गांव के प्रभावित परिवारों का आरोप है कि 60 मेगावाट की सतलुज नैटवाड़ जल विद्युत परियोजना के बैराज निर्माण के लिए उनकी करीब 27 नाली कृषि भूमि अधिग्रहित की गई थी। इसके अलावा बैराज के पार स्थित लगभग 200 नाली कृषि भूमि तक पहुंच बनाए रखने के लिए कंपनी ने पुल निर्माण, खेती सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक दीवारें बनाने व पशुओं के चरान पर किसी प्रकार की रोक–टोक नहीं लगाने का आश्वासन दिया था।ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना निर्माण कार्य दो वर्ष पूर्व पूरा हो चुका है और जेपी कंपनी ने परियोजना का हस्तांतरण भी कर दिया लेकिन आज तक प्रभावित परिवारों को भूमि का मुआवजा नहीं मिला और न ही अन्य वादों को पूरा किया गया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक लंबित मांगों का समाधान नहीं किया जाता तब तक उनका धरना–प्रदर्शन जारी रहेगा। परियोजना के महाप्रबंधक नरेश कुमार ने बताया कि प्रभावित ग्रामीणों की अधिग्रहित भूमि के मुआवजा निर्धारण के संबंध में जिलाधिकारी एवं शासन स्तर पर समिति गठित किए जाने को पत्र भेजा गया है। समिति के गठन के बाद आगे की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। प्रदर्शनकारियों में राजेश रावत, सुनील रावत, राजेंद्र रांगड़, सचिन रावत, मच्छीनाथ, विनोद नाथ, प्रताप सिंह रावत, सुवेंद्र, उषा देवी, बिजली देवी, सुरतमा, देवेंद्री, मीना और ईशेंद्री देवी थे। वहीं प्रशासन की ओर से तहसीलदार मोरी सरदार सिंह चौहान, थानाध्यक्ष दीपक सिंह रावत वहां पहुंचे थे।

उत्तरकाशी में डीपीआरओ का पद खाली, पंचायत कार्यों पर असर

उत्तरकाशी। जिला पंचायत राज अधिकारी के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के बाद जिला पंचायत राज कार्यालय में नियमित अधिकारी का पद रिक्त हो गया है। इससे पंचायतों से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के समन्वय और निगरानी पर असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने जल्द नए अधिकारी की तैनाती का भरोसा दिलाया है।पंचायती राज विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि डीपीआरओ के सेवानिवृत्त होने के बाद पद रिक्त है। फिलहाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए चिन्यालीसौड़ विकासखंड के एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है जो जल्द कार्यभार ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है और जल्द नए अधिकारी की तैनाती हो जाएगी।जिला पंचायत राज अधिकारी ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक कार्यों, पंचायत प्रतिनिधियों से समन्वय, विकास योजनाओं की निगरानी, स्वच्छता कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, पंचायत निधियों से जुड़े मामलों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मानदेय और वेतन भुगतान की मांग

रुद्रप्रयाग। समग्र शिक्षा अभियान के तहत कार्यरत जनपद के ब्लॉक रिसोर्स पर्सन और क्लस्टर रिसोर्स पर्सन कर्मियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा को भी भेजी है। बीआरपी–सीआरपी कर्मियों ने कहा कि नियुक्ति के समय 40 हजार रुपये मानदेय देने की बात कही गई थी लेकिन वर्तमान में कम भुगतान दिया जा रहा है। साथ ही वेतन से होने वाली कटौतियों की जानकारी और वेतन पर्ची भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उन्होंने शैक्षणिक और समन्वय कार्यों के अलावा अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी दी जाने की बात कही। इसके अलावा यात्रा और वाहन भत्ता भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने मानदेय, वेतन भुगतान की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में विकास सिंह, चैतन्य कुकरेती, अभिजीत हरदीप सिंह बिष्ट, मयंक पवार, अंजू, प्रिया, नितिन गौड़ और दीपिका आदि कर्मचारी शामिल रहे।

अगस्त्यमुनि सीएचसी में एक साल से नहीं आंखों के डॉक्टर

रुद्रप्रयाग। केदारघाटी के अहम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले एक वर्ष से नेत्र चिकित्सक का पद रिक्त होने के कारण जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूर दराज के गांवों से आने वाले मरीज अस्पताल में नेत्र चिकित्सक के कक्ष में लटका ताला देखकर निराश लौट रहे हैं। बनियाड़ी निवासी मुरलीधर जोशी ने बताया कि आंखों में दिक्कत होने पर वह अस्पताल पहुंचे लेकिन नेत्र विशेषज्ञ न होने के कारण उन्हें बाहर निजी में दिखाना पड़ा। साथ ही में आंखों के बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर जैसे हायर सेंटर के चक्कर लगाने पड़ते हैं। वहीं अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अक्षिता ममगाईं ने बताया कि नेत्र चिकित्सक की कमी के संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। जल्द यहां डॉक्टर की नियुक्ति होगी।

कार्तिक स्वामी मंदिर में आयोजित महायज्ञ में उमड़ रहे श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग। क्रौंच पर्वत स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर में चल रहे 11 दिवसीय महायज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वेदपाठी ब्राह्मणों ने विशेष हवन किया और आहुतियां दीं। दोपहर बाद मंदिर परिसर में कथा भी हुई। महायज्ञ के दौरान उत्तराखंड के दर्जाधारी मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट भी पहुंचे और पूजा–अर्चना की। मंदिर समिति अध्यक्ष विक्रम सिंह नेगी ने बताया कि महायज्ञ में देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

बद्रीनाथ धाम को विश्वस्तरीय तीर्थ नगरी बनाने की दिशा में तेजी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने शनिवार को श्री बद्रीनाथ धाम में संचालित मास्टर प्लान के अंतर्गत विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेते हुए संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने धाम क्षेत्र में अतिक्रमण की संभावनाओं को रोकने के लिए उपजिलाधिकारी को सभी भूमि पैचों को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के तहत विकसित की जा रही परिसंपत्तियों एवं भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बैठक में धाम में यातायात व्यवस्था, तीर्थयात्रियों की पैदल आवाजाही, पथ प्रकाश, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सुव्यवस्थित विकास, नदी तटों की सुरक्षा, पार्किंग, सीवर निस्तारण तथा अन्य यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पीआईयू (लोक निर्माण विभाग) के अधिकारियों ने बताया कि बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के अंतर्गत संचालित सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तीर्थयात्रियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए धाम को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए कार्यों को चरणबद्ध (फेजवार) तरीके से किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को मास्टर प्लान के फेज-3 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की प्लानिंग एवं अध्ययन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि फेज-1 के अंतर्गत वन-वे लूप रोड, बीआरओ बाईपास रोड, सिविक एमेनिटी बिल्डिंग, शेषनेत्र लेक, बद्रीश लेक, आईएसबीटी भवन, टूरिस्ट मैनेजमेंट सेंटर भवन तथा अराइवल प्लाजा सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं।

सिंचाई टैंकों की मरम्मत के लिए जिला योजना से मिली धनराशि

उत्तरकाशी। कृषि एवं भूमि संरक्षण विभाग 15.94 लाख रुपये की लागत से भिलंगना और जाखणीधार ब्लॉक में तीन सिंचाई टैंकों की मरम्मत और एक नया टैंक बनाएगा जिससे काश्तकारों को जल्द ही सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। जिला योजना से धनराशि की स्वीकृति मिलने पर विभाग ने जीर्णोद्धार कार्य जल्द करने की तैयारी शुरू कर दी है। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत खांड, क्वांली और भिलंगना ब्लॉक के ग्राम क्वीडांग और हडियाणा मल्ला के काश्तकार वर्षों से क्षतिग्रस्त सिंचाई टैंक की मरम्मत कराने की मांग करते आ रहे थे लेकिन बजट के अभाव में विभाग टैंकों की मरम्मत नहीं कर पा रहा था। हडियाणा मल्ला में दो साल पहले सड़क निर्माण के दौरान टैंक क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। काश्तकारों की ओर से लगातार मांग करने पर जिला योजना में टैंक जीर्णोद्धार के लिए 11.36 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है जबकि हडियाणा तल्ला के लिए पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से 4.68 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। धनराशि मिलने के बाद विभाग ने भी टैंकों का मरम्मत कार्य और हडियाणा में नया टैंक बनाने कार्यवाही शुरू कर दी है। विभाग ने छह माह से पहले निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा है। टैंकों की मरम्मत होने के बाद करीब 600 नाली कृषि भूमि की सिंचाई हो सकेगी। जाखणीधार और भिलंगना में दो–दो सिंचाई टैंक का जीर्णोद्धार करने के लिए जिला योजना और पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से धनराशि की स्वीकृत मिल गई है। निविदा प्रक्रिया संपन्न होने के बाद कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा।

डामटा से जानकीचट्टी तक ठोस कचरा प्रबंधन बेपटरी

उत्तरकाशी। यमुना नदी की स्वच्छता और निर्मलता को लेकर समय–समय पर बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ ओर है। यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर मां यमुना के उद्गम क्षेत्र से लेकर जानकीचट्टी तक कई स्थानों पर कूड़ा बिखरा है जो नदी और पर्यावरण दोनों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर डामटा से जानकीचट्टी तक लगभग 85 किलोमीटर के क्षेत्र में कई कस्बों और पड़ावों पर ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। कई जगहों पर सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश और ढलानों के कारण यह कचरा यमुना नदी तक पहुंच जाता है जिससे नदी की स्वच्छता प्रभावित हो रही है। कूड़ेदानों में एकत्रित कचरे को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित करने के बजाय उसे जलाया जा रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी प्रवृत्ति न केवल प्रदूषण बढ़ाती है बल्कि वनाग्नि जैसी घटनाओं का कारण भी बन सकती है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यमुना स्वच्छता को लेकर समय–समय पर अभियान तो चलाए जाते हैं लेकिन उनका प्रभाव स्थायी रूप से दिखाई नहीं देता। उनका कहना है कि अधिकांश गतिविधियां जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतीकात्मक अभियानों तक सीमित रह जाती है जबकि कूड़ा निस्तारण की मूल समस्या जस की तस बनी है। यात्रा मार्ग पर बढ़ती आवाजाही के अनुपात में सीवरेज और अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधाओं का पर्याप्त विस्तार नहीं हो पाया है।

देवलसारी–नागटिब्बा को जोड़ने वाली दुडगापुल–बंगशील सड़क खस्ताहाल

नई टिहरी। देवलसारी और नाग टिब्बा को जोड़ने वाला दुडगा पुल–बंगशील सड़क खस्ताहाल बनी है। सड़क से क्षेत्र के लोगों के साथ पर्यटकों को आवागमन में भारी परेशानियां झेलनी पड़ती है। सड़क पर बिखरा मलबा और पत्थर लोगों के जोखिम बना है। जौनपुर क्षेत्र में गत चार दिनों से हो रही भारी बारिश से देवलसारी–नागटिब्बा को जोड़ने वाले बंगशील सड़क पर भारी मलबे के साथ पत्थर आने से आवाजाही करना जोखिम भरी बना है। स्थानीय निवासी सुनील थपलियाल, मनवीर परमार, राजेंद्र राणा, शेर सिंह डोगरा आदि का कहना कि दुडगा पुल– बंगशील एक किलोमीटर सड़क के सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य एक वर्ष पूर्व स्वीकृत मिल चुकी थी। गर्मियों के सीजन में नागटिब्बा और देवलसारी में पर्यटकों का आवागमन लगा रहता है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे होने से सड़क पर भारी मलबा और पत्थर आने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

सल्ट में विवाहिता की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

अल्मोड़ा। सल्ट विकासखंड की खुमाड़ ग्रामसभा में 25 वर्षीय विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के परिजनों ने आरोपी पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने और मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात खुमाड़ गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिलने पर सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई कराई तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी और फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मृतका के भाई रजत चंद्रा निवासी रामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बहन भूमिका चंद्रा उर्फ पूजा का विवाह 12 अक्टूबर 2022 को खुमाड़ निवासी दीपक चंद्र खर्कवाल से हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद से आरोपी दहेज और पैसों की मांग को लेकर उसकी बहन को लगातार प्रताड़ित करता था तथा उसके साथ मारपीट करता था।

यात्रा सीजन में ट्रैफिक प्रबंधन का प्रभावी उपाय बना ज्योतिर्मठ का गेट सिस्टम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चारधाम यात्रा के चरम दौर में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव के बीच ज्योतिर्मठ में जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा लागू किया गया गेट सिस्टम प्रभावी साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और यात्रियों ने इसे जाम की समस्या से राहत दिलाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रशासन की पहल की सराहना की है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि बद्रीनाथ एवं हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु यातायात संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वाहनों के दबाव को देखते हुए गेट सिस्टम संचालित किया जा रहा है। यातायात का दबाव कम होने पर आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने यात्रियों से प्रशासन द्वारा निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने तथा सहयोग बनाए रखने की अपील भी की

जनपद चमोली में इन दिनों देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के 43 दिनों के भीतर ही 9,08,619 श्रद्धालु श्री बद्रीनाथ धाम तथा 55,411 श्रद्धालु श्री हेमकुंड साहिब के दर्शन कर चुके हैं। प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन से बद्रीनाथ हाईवे पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के मध्य अक्सर लगने वाले जाम को देखते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से गेट सिस्टम लागू किया है। इस व्यवस्था के तहत निर्धारित समयांतराल पर एक दिशा से वाहनों का संचालन किया जा रहा है, जिससे यातायात को व्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने में मदद मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गेट सिस्टम लागू होने से नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होने से लोगों को राहत मिली है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

किसी एक टीम से बड़ा है आईसीसी - जय शाह

टी20 विश्व कप 2026 विवाद पर पहली बार बोले शाह

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर पैदा हुए विवाद पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आईसीसी किसी एक देश या टीम पर निर्भर नहीं है और संगठन हमेशा किसी भी सदस्य देश से बड़ा होता है। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट की अभूतपूर्व सफलता और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या का भी उल्लेख किया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के दौरान बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में जगह नहीं मिलने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में खेलने को लेकर आपत्ति जताई थी। बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि उनकी टीम के सभी मुकाबले केवल श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि आईसीसी ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

भारत बनाम अफगानिस्तान: केएल राहुल के बाद कप्तान गिल का शतक, पहले दिन टीम इंडिया का दबदबा

न्यू चंडीगढ़।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे एकमात्र टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट खोकर 364 रन बना लिए हैं। पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर में पहला झटका लगा जब यशस्वी जायसवाल के रूप में 41 के स्कोर पर पहला विकेट गिरा। जायसवाल 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर भारतीय टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों के साथ 81 रन टीम के खाते में जोड़े। यहां से कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर स्कोर 247 रन तक पहुंचा दिया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और दिन का खेल समाप्त होने तक अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। पहला दिन खत्म होने तक गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 148 गेंदों में 121 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। गिल 143 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 103 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि पंत ने 70 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन जुटा लिए हैं।

इस मुकाबले में टीम इंडिया केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ उतरी है। वहीं, इस मुकाबले में अफगानिस्तान इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, अफसर जजई (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, शरफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद सलीम साफी के साथ इस मैच में उतरी नांगेयालिया खरोटे, निजात मसूद और जिया उर रहमान शरीफी और है।

नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रग्गनानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार वापसी करते हुए नॉर्वे चेस चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर प्रग्गनानंदा ने खिताबी जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में प्रग्गनानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। मध्य खेल में कीमर की कुछ गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए उन्होंने 45वीं चाल में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट में उनके खाते में पांच जीत, दो हार और तीन ड्रॉ रहे। दोनों ड्रॉ मुकाबलों के बाद खेले गए आर्मागेडन मैचों में भी उन्होंने जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में सबसे कड़ी चुनौती अमेरिका के वेस्ली सो से मिली। अंतिम राउंड से पहले वेस्ली सो बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन आखिरी मुकाबले में भारतीय अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण वह 17 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने पूरे टूर्नामेंट में दो जीत और आठ ड्रॉ खेले, जबकि उन्होंने आर्मागेडन मुकाबलों में जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक जुटाए। भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन एरिगैसी 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में विशेष अंक प्रणाली लागू थी, जिसमें जीत पर तीन अंक, ड्रॉ पर दोनों खिलाड़ियों को एक-एक अंक तथा आर्मागेडन मुकाबला जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त बोनस अंक दिया जाता था। नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन अपने घरेलू टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे। कार्लसन ने अंतिम दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराया, लेकिन कुल 13 अंकों के साथ चौथे स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट में प्रग्गनानंदा ने कार्लसन को दो बार हराकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

तपती गर्मी में केएल राहुल का शतक, अफगानिस्तान के खिलाफ धैर्य और क्लास का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में जब तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, तब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। इस कठिन परिस्थितियों वाली पारी में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां और अंतरराष्ट्रीय करियर का 22वां शतक जड़ा। तेज गर्मी और उमस के बीच इस मुकाबले में बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी लाइन और गति से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन केएल राहुल ने संयम के साथ खेलते हुए पारी को संभाला। उन्होंने जल्दबाजी के बजाय विकेट पर समय बिताया और धीरे-धीरे अपनी पारी को मजबूती दी। जैसे-जैसे धूप तेज होती गई, राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ शानदार डिफेंस और सटीक शॉट चयन से रन बटोरे। 98 रन पर पहुंचने के बाद पूरा स्टेडियम उनकी सेंचुरी का इंतजार कर रहा था, और 61वें ओवर में उन्होंने दो रन लेकर अपना शतक पूरा किया। हालांकि शतक पूरा करने के कुछ देर बाद ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और 100 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी इस पारी में 165 गेंदों पर 11 चौके शामिल रहे। शतक के बाद गर्मी और थकान के कारण राहुल रिटायर्ड हर्ट होकर लौट गए।

अंडर-18 विमेंस एशिया कप- भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा, कोरिया को 3-0 से दी मात

काकामिगाहारा।

अंडर-18 विमेंस एशिया कप में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मलेशिया को पहले मैच में हराने के बाद भारत ने पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए इस मुकाबले में सोनम नाग, श्रुति कुमारी, और किरण एक्का ने गोल दागा। मैच की शुरुआत ही भारतीय टीम के लिए शानदार रही। शुरुआती क्वार्टर में टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका पूरा फायदा सोनम ने उठाया और मैच के चौथे ही मिनट में गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 21वें मिनट में श्रुति ने शानदार गोल किया, जिससे भारत को हाफ टाइम ब्रेक तक 2-0 की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में स्कोर 2-1 कर दिया, जब ग्योंग्मिन ली ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, भारत ने जल्द ही दो गोल की बढ़त वापस पा ली। प्लेयर ऑफ द मैच रहीं किरण एक्का ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया, जिससे भारत की बढ़त 3-1 हो गई और मुकाबला पूरी तरह से उनके कंट्रोल में आ गया। भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में भी अनुशासन में रही, और कोरिया को कोई और गोल करने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने मैच के दौरान चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, जबकि कोरिया ने दो पेनल्टी कॉर्नर जीते। मलेशिया और कोरिया के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद भारत छह अंक और पॉजिटिव गोल डिफरेंस के साथ पूल ए स्टैंडिंग में पहले स्थान पर आ गया है। टीम पूल स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी, जहां भारतीय टीम की कोशिश अपने विजयी अभियान को लगातार तीसरे मैच में बरकरार रखने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

अजीत अगरकर का बड़ा बयान- वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा। उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए और 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से सभी का ध्यान खींचा। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। टीम इंडिया को अब आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी20 मैच खेलने हैं, जबकि इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। माना जा रहा है कि इन सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव को सीमित ओवरों के प्रारूप में तैयार करना सही कदम होगा, जिससे वह भविष्य में लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बने रह सकें।

बीसीसीआई ने घोषित की टी20 टीम, श्रेयस अय्यर बने नए कप्तान; सूर्यकुमार यादव बाहर

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज तथा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस बार चयन समिति ने बड़ा फैसला लेते हुए सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तिलक वर्मा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम चयन के साथ कई चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं, जिन्होंने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने का फैसला उनके हालिया आईपीएल प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने लगातार अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है। तिलक वर्मा को उपकप्तानी देकर चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जबकि अक्षर पटेल को इस भूमिका से हटाया गया है। सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मिली जगह को लेकर है, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 776 रन बनाकर 237 के स्ट्राइक रेट से धमाकेदार प्रदर्शन किया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने

आईपीएल से टीम इंडिया तक का सफर

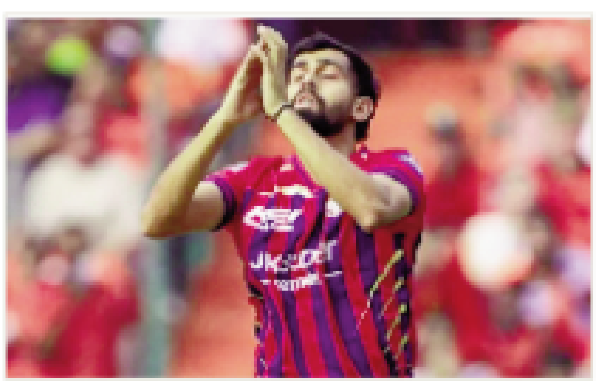

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस चयन में सबसे बड़ा आकर्षण 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के दम पर तीनों स्क्वॉड में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वे भारतीय टीम में चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उनके चयन ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। वैभव के साथ ही एक और युवा खिलाड़ी ने पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। आईपीएल 2026 में अपनी रफ्तार और सटीक लाइन लेंथ से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले प्रिंस ने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया।

आईपीएल 2026 प्रिंस यादव के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जहां उन्होंने 14 मैचों में 16 विकेट झटके और अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। मुश्किल परिस्थितियों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता ने उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचा दिया। प्रिंस यादव की यात्रा संघर्षों से भरी रही है। उनके पिता चाहते थे कि वह पुलिस सेवा में जाएं, लेकिन प्रिंस का सपना क्रिकेटर बनने का था। टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरुआत करने वाले प्रिंस ने 18 साल की उम्र में लेदर बॉल से गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई।

हालांकि उनके करियर में एक बड़ा झटका तब लगा जब उम्र विवाद के चलते उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। दिल्ली प्रीमियर लीग, रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें आईपीएल में मौका मिला। अब प्रिंस यादव टीम इंडिया की नीली जर्सी में अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी का चयन भारतीय क्रिकेट के भविष्य की नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान

आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिजोरम के अग्नि चोपड़ा और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ को शामिल किया गया है। गुरनूर बराड़ को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, हर्ष दुबे और ऑलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी विपरीत परिस्थितियों में टीम को संतुलन प्रदान करेंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रहे विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

ऋषभ पंत ने खेला 50वां टेस्ट, भारतीय विकेटकीपरों के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली।

भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। मैदान पर उतरते ही पंत ने अपना 50वां टेस्ट मैच खेला और भारतीय क्रिकेट के एक प्रतिष्ठित क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत अब भारत के लिए 50 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले केवल तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपरों महेंद्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026- मीनाक्षी और दीपक करेंगे टूर्नामेंट के स्टेज 2 में भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली।

विश्व की नंबर एक महिला मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी मुक्केबाज दीपक 15 जून से 21 जून तक चीन के फुझाऊ में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज 2) में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत इस इवेंट में पिछले वर्ल्ड कप फाइनल में सफल प्रदर्शन के बाद उतर रहा है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग स्टेज में कई मेडल जीते थे और फाइनल में कुल मिलाकर शानदार प्रदर्शन किया था। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक मजबूत भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा और उभरते हुए बॉक्सरों को भी शामिल किया गया है। विश्व रैंकिंग के अनुसार, टॉप-10 मुक्केबाजों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। सबसे बड़ी उपलब्धि महिला मुक्केबाजों की है। दुनिया के टॉप 3 खिलाड़ियों में शामिल भारतीय महिला मुक्केबाजों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके कारण भारत इस श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय मुक्केबाज, खासकर महिला खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि भारत की मुक्केबाजी टीम विश्व स्तर पर मजबूत दावेदार बन चुकी है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों को कीमती रैंकिंग पॉइंट्स कमाने और इस व्यस्त प्रतिस्पर्धी सीजन के दौरान अपनी रफ्तार बनाए रखने का एक अहम मौका देगा। स्क्वॉड के बारे में बात करते हुए बीएफआई प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, "वर्ल्ड बॉक्सिंग कप हमारे एथलीटों के लिए टॉप इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खिलाफ खुद को परखने का एक अहम प्लेटफॉर्म है। हमारे पास जो सिस्टम और स्ट्रक्चर बनाए हैं, वे अब लगातार नतीजों में बदल रहे हैं, जिसमें सभी वेट कैटेगरी में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। हम पहले जैसी फाइट देख रहे हैं, और यह निरंतरता भारत को दुनिया के टॉप बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर पर खुद को बनाने में मदद कर रही है।"

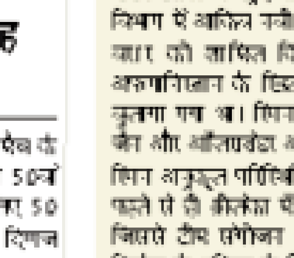

महिला डिवीजन में मीनाक्षी (51 किलोग्राम), पूजा (54 किलोग्राम), प्राची (57 किलोग्राम), और प्रीति जायस (60 किलोग्राम) के साथ एक टैलेंटेड ग्रुप की अगुवाई कर रही हैं। टीम को स्नेह (65 किलोग्राम), मीनाक्षी जी (70 किलोग्राम), सनमाचा ची (75 किलोग्राम), नैना (80 किलोग्राम), और अल्फिया तारूब अकरम खान पठान (+80 किलोग्राम) ने और मजबूत किया।

चोट के चलते कोहली अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

यशस्वी जायसवाल को मिला मौका

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण इस सीरीज से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयन समिति ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया है। विराट कोहली को आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने उस मैच में नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी, लेकिन पारी के दौरान वह फिटनेस समस्या से जूझते नजर आए थे। इसके बाद से ही उनके वनडे सीरीज में खेलने पर संशय बना हुआ था। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोहली की रिकवरी को लेकर अभी कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि वे इंग्लैंड सीरीज तक फिट हो सकते हैं। कोहली की जगह शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल ने अपना पिछला वनडे 6 दिसंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। अब तक खेले गए 4 वनडे मैचों में वे 171 रन बना चुके हैं। टीम में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या की उपलब्धता भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। दोनों खिलाड़ियों को सीरीज से पहले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। हार्दिक पांड्या पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग समस्या से जूझ रहे हैं।